डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 90 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 09 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

कपिल मिश्रा ने ट्वीट में जानबूझकर नफ़रत फैलाने के लिए 'पाकिस्तान' शब्द का इस्तेमाल किया: कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने भाजपा नेता और अब दिल्ली के कानून एवं न्याय मंत्री कपिल मिश्रा की उस याचिका को ख़ारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने 2020 विधानसभा चुनाव के दौरान उनके ट्वीट से जुड़े एक मामले में समन को चुनौती दी थी। ट्वीट में शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन को 'मिनी पाकिस्तान' कहा था।

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और अब दिल्ली के कानून एवं न्याय मंत्री कपिल मिश्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान उनके ट्वीट से जुड़े 2020 के एक मामले में समन को चुनौती दी थी।

खबरों के अनुसार, अदालत ने पाया कि मिश्रा द्वारा 'पाकिस्तान' शब्द का इस्तेमाल जानबूझकर नफरत भड़काने का प्रयास था।

इस मामले में रिटर्निंग ऑफिसर की शिकायत के बाद मिश्रा के खिलाफ दर्ज एफआईआर दर्ज किया गया, जिसमें आदर्श आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

मिश्रा के ट्वीट, जिसमें शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन को 'मिनी पाकिस्तान' कहा था और चुनाव को 'भारत और पाकिस्तान' के बीच मुकाबला बताया था, समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाले पाए गए।

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने कहा, '(मिश्रा) ने अपने कथित बयानों में नफरत फैलाने के लिए 'पाकिस्तान' शब्द का बहुत ही चालाकी से इस्तेमाल किया था, जो चुनाव अभियान में होने वाले सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रति लापरवाह था और केवल वोट हासिल करना चाहता था। '

अदालत ने कहा कि भारत में वोट हासिल करने के लिए सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ भाषणों का सहारा लेने का चलन रहा है।

अदालत ने मिश्रा की इस दलील को खारिज कर दिया कि उनके बयान में किसी खास जाति, समुदाय या धर्म का जिक्र नहीं था और कहा कि किसी खास 'धार्मिक समुदाय' के लिए 'अंतर्निहित संदर्भ' स्पष्ट था।

न्यायाधीश ने कहा, 'यह दलील बिल्कुल बेतुकी और पूरी तरह से अस्वीकार्य है, कथित बयान में विशेष 'देश' के लिए निहित संदर्भ एक खास 'धार्मिक समुदाय' के लोगों के लिए एक स्पष्ट संकेत है, जो धार्मिक समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने के लिए स्पष्ट है। '

न्यायालय ने चुनाव आयोग के संवैधानिक दायित्व पर जोर देते हुए कहा कि वह उम्मीदवारों को 'ज़हरीले अपशब्दों' में शामिल होने से रोके, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को कमजोर कर सकते हैं। कोर्ट ने मजिस्ट्रेट न्यायालय के समन आदेश को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया कि शिकायत और सहायक दस्तावेज आरपी अधिनियम की धारा 125 के तहत अपराध का संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त थे।

फैसले में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया और कहा गया कि 'स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव किसी भी जीवंत लोकतंत्र की नींव हैं' और जबकि भारत धार्मिक विविधता को अपनाता है, एक 'नाजुक माहौल' मौजूद है जहां धार्मिक भावनाओं को आसानी से भड़काया जा सकता है।

न्यायाधीश ने कहा कि, 'यह विभाजन की राजनीति और बहिष्कार की राजनीति का नतीजा है जो देश के लोकतांत्रिक और बहुलवादी ताने-बाने के लिए खतरा है। दुर्भाग्य से उपनिवेशवादियों की फूट डालो और राज करो की नीति भारत में अभी भी चलन में है।

IFA Awards 2025: जयपुर में सितारों की चकाचौंध

जयपुर। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (IIFA) अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन राजस्थान की राजधानी जयपुर में किया जा रहा है। यह समारोह 8 और 9 मार्च 2025 को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), सीतापुरा में आयोजित होगा। IIFA का यह 25वां संस्करण बेहद खास होने जा रहा है, क्योंकि यह बॉलीवुड की इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड सेरेमनी की सिल्वर जुबली भी है।

राजस्थान में पहली बार IIFA अवॉर्ड्स:- यह पहली बार है जब राजस्थान IIFA अवॉर्ड्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले यह आयोजन बैंकॉक, दुबई, सिंगापुर, लंदन, न्यूयॉर्क और अबू धाबी जैसे अंतरराष्ट्रीय शहरों में हुआ था। इस बार राजस्थान को इस आयोजन का हिस्सा बनने का मौका मिला है, जिससे राज्य में पर्यटन और बॉलीवुड इंडस्ट्री के साथ सहयोग के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने की घोषणा:- शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इस मेगा इवेंट की आधिकारिक घोषणा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, "राजस्थान के बिना बॉलीवुड अधूरा है। यहां की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्थल कई सुपरहिट फिल्मों की पृष्ठभूमि रहे हैं। IIFA अवॉर्ड्स के आयोजन से प्रदेश में पर्यटन और फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।"

बॉलीवुड के बड़े सितारे होंगे शामिल:- IIFA 2025 के मंच पर बॉलीवुड के कई बड़े सितारे अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान, शाहिद कपूर, माधुरी दीक्षित, करीना कपूर खान, कृति सेनन, अली फजल, नुसरत भरूचा, विजय वर्मा, जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना, करिश्मा तन्ना और निमरत कौर जैसे सितारे इस आयोजन का हिस्सा होंगे।

स्टार्स की जबरदस्त परफॉर्मेंस:- हर साल की तरह इस बार भी IIFA के मंच पर धमाकेदार परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी। बॉलीवुड के कई कलाकार अपने डांस और एक्टिंग स्किल्स से दर्शकों को एंटरटेन करेंगे। जानकारी के मुताबिक, शाहिद कपूर, करीना कपूर, कृति सेनन और नोरा फतेही की परफॉर्मेंस इस इवेंट का मुख्य आकर्षण होगी।

करण जौहर और कार्तिक आर्यन करेंगे होस्टिंग:- IIFA 2025 की मेजबानी बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर और एक्टर कार्तिक आर्यन करेंगे। दोनों ही अपने मजेदार अंदाज और बेहतरीन होस्टिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं।

राजस्थान को मिलेगा बड़ा प्रमोशन:- IIFA अवॉर्ड्स के इस आयोजन से राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिलेगी। राज्य सरकार का मानना है कि इस कार्यक्रम के जरिए राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार होगा, जिससे प्रदेश में टूरिज्म को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

पहले भी राजस्थान में हुईं हैं बॉलीवुड की बड़ी शूटिंग्स:- राजस्थान हमेशा से बॉलीवुड के लिए एक खास डेस्टिनेशन रहा है। "हम दिल दे चुके सनम", "जोधा अकबर", "बजरंगी भाईजान", "पद्मावत" और "पीके" जैसी कई फिल्मों की शूटिंग यहां हो चुकी है। IIFA अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन इस विरासत को और मजबूत करेगा।

टिकट और लाइव प्रसारण की जानकारी:- IIFA 2025 का लाइव प्रसारण भारत और दुनिया भर के 90 से ज्यादा देशों में किया जाएगा। टिकटों की बिक्री जल्द ही शुरू होगी और इसे IIFA की आधिकारिक वेबसाइट और अन्य प्लेटफॉर्म्स के जरिए खरीदा जा सकेगा। IIFA 2025 निश्चित रूप से जयपुर के लिए एक ऐतिहासिक इवेंट बनने जा रहा है, जहां बॉलीवुड के दिग्गज सितारे एक ही मंच पर नजर आएंगे। राजस्थान की सांस्कृतिक भव्यता और बॉलीवुड का ग्लैमर एक साथ मिलकर इस इवेंट को यादगार बना देंगे।

मणिपुर में फ्री मूवमेंट के पहले दिन हिंसा: बसों पर हमला, 1 की मौत, 16 घायल

इम्फाल। मणिपुर में करीब दो साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भड़क उठी। शनिवार को इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोड़ने वाली सड़कों पर जैसे ही बसों का संचालन शुरू हुआ, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करते हुए सड़कों को ब्लॉक कर दिया। इस दौरान बसों पर हमले हुए, वाहनों में आग लगाई गई और सुरक्षाबलों के साथ झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 16 लोग घायल हो गए।

सड़कों पर हिंसा, आगजनी और पथराव

फ्री मूवमेंट की शुरुआत के पहले ही दिन हिंसा देखने को मिली। प्रदर्शनकारियों ने:

सड़कों पर बड़े-बड़े पत्थर बिछा दिए

पेड़ काटकर रास्ता जाम कर दिया

बसों और कारों में आग लगा दी

सुरक्षाबलों पर पथराव किया

स्थिति को काबू में करने के लिए सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, झड़प में सुरक्षाबलों ने पैलेट गन का भी इस्तेमाल किया, जिससे कई लोगों के घायल होने की खबर है।

सुरक्षाबलों की तैनाती और सरकारी बसों की सुरक्षा

इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति इलाकों में जाने वाली सरकारी बसों को CRPF और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में रवाना किया गया।

इसके अलावा, रेड जोन वाले इलाकों में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है ताकि स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सके।

गृह मंत्रालय के निर्देश और राज्य सरकार का बयान:-

गृह मंत्री अमित शाह ने 1 मार्च को मणिपुर के हालात की समीक्षा करते हुए 8 मार्च से सभी सड़कों पर बेरोकटोक आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने सड़कें ब्लॉक करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। मणिपुर के मुख्य सचिव पीके सिंह ने कहा, "राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। 12 मार्च से इंफाल से चुराचांदपुर के बीच हेलिकॉप्टर सेवाएं भी शुरू की जाएंगी।"

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन, अब तक 500 से ज्यादा हथियार सरेंडर:- राज्य में लंबे समय से जारी जातीय हिंसा के बीच मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उपद्रवियों को लूटे गए हथियार सरेंडर करने के निर्देश दिए थे, जिसके तहत अब तक 500 से ज्यादा हथियार सरेंडर किए जा चुके हैं।

क्या मणिपुर में शांति बहाल होगी?

फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होने के बावजूद, जातीय हिंसा का तनाव अभी भी बरकरार है। सुरक्षाबलों की तैनाती के बावजूद विरोध प्रदर्शन जारी हैं। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा और उपद्रव करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि सरकार की यह पहल राज्य में शांति बहाल करने में कितनी सफल होती है या फिर हिंसा का नया दौर शुरू हो सकता है।

महिला दिवस पर, भारतीय रेलवे ने महिला आरपीएफ कर्मियों को मिर्च स्प्रे कैन (डिब्बे) से लैस करने का फ़ैसला किया

नई दिल्ली: महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित ट्रेन यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में एक साहसिक कदम के रूप में, भारतीय रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल की महिला कर्मियों को मिर्च स्प्रे के कैन से लैस करने का फ़ैसला किया है। यह गैर-घातक अभी तक प्रभावी उपकरण महिला आरपीएफ कर्मियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से तेज़ी से निपटने में मदद करेगा, विशेष रूप से अकेले या बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए । यह अभिनव कदम भारतीय रेलवे की लैंगिक समावेशिता, महिला सशक्तिकरण और अपने विशाल नेटवर्क में बढ़ी हुई सुरक्षा के लिए मज़बूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मिर्च स्प्रे कैन प्रदान करके, महिला आरपीएफ कर्मियों के पास सुरक्षा की एक अतिरिक्त व्यवस्था होगी, जिससे उन्हें ख़तरों को रोकने, उत्पीड़न की घटनाओं का जवाब देने और आपात स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने की अनुमति मिलेगी - विशेष रूप से अलग-थलग स्टेशनों, चलने वाली ट्रेनों और दूरस्थ रेलवे स्थानों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में जहां तत्काल बैकअप उपलब्ध नहीं हो सकता है। इस पहल का समर्थन करते हुए आरपीएफ के महानिदेशक मनोज यादव ने कहा, "यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान सुनिश्चित करने के माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। भारतीय रेलवे ने महिला यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार कई उपाय किए हैं। हमारी महिला आरपीएफ कर्मी ताक़त, देखभाल और लचीलापन के प्रतीक के रूप में खड़ी हैं। उन्हें मिर्च स्प्रे के कैन (डिब्बे) से लैस करके, हम उनके आत्मविश्वास और परिचालन क्षमता को बढ़ा रहे हैं, जबकि एक स्पष्ट संदेश भेज रहे हैं कि यात्रियों की सुरक्षा - विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा - हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।" ऐसी ही एक प्रभावशाली नीति आरपीएफ में अधिक महिलाओं को जानबूझकर शामिल करना रही है। आज, आरपीएफ गर्व से सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के बीच महिलाओं का उच्चतम अनुपात (9%) का दावा करता है। इनमें से कई महिला आरपीएफ कर्मी 'मेरी साहेली' टीमों का हिस्सा हैं, जिनकी मुख्य ज़िम्मेदारी महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है। 250 से अधिक 'मेरी सहेली' टीमें प्रतिदिन लगभग 12,900 महिला यात्रियों के साथ बातचीत करती हैं, जो सुरक्षा और आश्वासन दोनों प्रदान करती हैं। महिला आरपीएफ कर्मियों की भूमिका सुरक्षा से परे है। वे अक्सर संकट में महिला यात्रियों की सहायता करते हैं, जिसमें गर्भवती माताएं भी शामिल हैं जो ट्रेन यात्रा के दौरान लेबर पेन में जाती हैं। 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के तहत, महिला आरपीएफ कर्मियों ने गोपनीयता, गरिमा और समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करते हुए, अकेले 2024 में 174 महिलाओं को ट्रेनों में सुरक्षित रूप से जन्म देने में मदद की है। महाकुंभ जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के दौरान, आरपीएफ की महिला कर्मियों ने अपने पुरुष समकक्षों के साथ अथक रूप से काम किया, प्रयागराज में पवित्र डुबकी के लिए पहुंची हजारों महिला तीर्थयात्रियों को तत्काल सहायता की पेशकश की। हाथ में नए उपकरण के साथ सशस्त्र, महिला आरपीएफ कर्मी महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुरक्षित यात्रा के लिए भारतीय रेलवे के समर्पण की पुष्टि करते हुए ताक़त, करुणा और लचीलापन का प्रतीक होंगी।

राजस्थान में धुलंडी पर बादल छाने की संभावना

जयपुर (रॉयल पत्रिका) |राजस्थान में पश्चिमी हवा का प्रभाव बढ़ने से गर्मी तेज होने लगी है। दिन में अब पसीने छूटने लगे है और सुबह-शाम भी ठंडक कम होने लगी है। बाड़मेर जिले में दूसरे दिन भी अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। जैसलमेर, जालोर, डूंगरपुर में भी तापमान 36 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों ने राज्य में अगले 4-5 दिन मौसम शुष्क रहने और गर्मी बढ़ने की संभावना जताई है। वहीं, धुलंडी और उसके अगले दिन बादल छा सकते हैं।

राज्य में कल सबसे अधिक तापमान बाड़मेर में 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर के एरिया में दिन में कुछ जगह हल्की गर्म हवाएं भी चली। दिन में तेज गर्मी के कारण यहां पसीने आने लगे। जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर में भी अधिकतम तापमान औसत से ऊपर दर्ज हुआ।

जयपुर में कल दिन में तेज धूप रही। जयपुर में कल का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गर्मी के साथ यहां कल दिन में हल्की हवाएं चली। देर शाम को भी मौसम सुहावना रहा और हल्की गुलाबी ठंडक रही।

कोटा में कल अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस, उदयपुर में 34, जैसलमेर में 36, जोधपुर में 35.7, बीकानेर में 35.3, चूरू में 33.3, गंगानगर में 32.6, सीकर में 31.5, अजमेर में 33.6, भीलवाड़ा में 33.4, चित्तौड़गढ़ में 36.3, धौलपुर में 33.5, दौसा में 35.2 और पाली में 35.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

जयपुर में शाहिद-करीना ने एक-दूसरे को गले लगाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) | जयपुर में आईफा के मंच पर सालों बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर और एक्टर शाहिद कपूर एक साथ दिखे। यहां दोनों न सिर्फ गले मिले, बल्कि देर तक एक-दूसरे से बातचीत करते रहे।

आईफा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह दृश्य मीडिया के कैमरे में कैद हो गए। दरअसल, शनिवार दोपहर जेईसीसी में आईफा की प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई थी। इसमें आईफा में शामिल होने वाले तमाम बॉलीवुड कलाकार पहुंचे थे। दोनों राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दीया कुमारी के साथ मंच पर थे।

करीना कपूर प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से कुछ ही देर पहले जयपुर पहुंचीं थीं। इसके बाद सीधे जेईसीसी पहुंची। यहां स्टेज पर जाते वक्त शाहिद ने करीना के कंधे पर हाथ रखकर बातचीत की। इसके बाद मीडिया से बातचीत के दौरान भी दोनों साथ ही खड़े रहे। दोनों इस दौरान गले लगे। फिर आपस में बात करने लगे। दोनों ने आखिरी बार 2016 में रिलीज हुई 'उड़ता पंजाब' में साथ काम किया था। हालांकि, फिल्म में दोनों ने स्क्रीन शेयर नहीं की थी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

कौन करेगा भरोसा ?

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है, लेकिन इस मोड़ पर अमेरिका की भूमिका संदेहास्पद होती जा रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्धविराम की पेशकश की है, लेकिन यह कदम मजबूरी में उठाया गया लगता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सैन्य मदद रोकने के ऐलान के बाद जेलेंस्की के पास और कोई विकल्प नहीं बचा। ट्रंप की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं—वे यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी देने के बजाय, उसके रेयर अर्थ मिनरल्स पर अपना दावा ठोकना चाहते हैं। यह फैसला अमेरिका के सहयोगी देशों के लिए एक झटका साबित हो सकता है।

मजबूरी की पेशकश

यूक्रेन और अमेरिका के संबंध हाल ही में तनावपूर्ण रहे हैं। ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तल्ख बयानबाजी के बाद यूक्रेन को एक नया झटका तब लगा जब ट्रंप ने यूक्रेन की सैन्य मदद रोकने की घोषणा कर दी। इससे जेलेंस्की पर दबाव बढ़ा और उन्हें युद्धविराम का प्रस्ताव देना पड़ा। यह निर्णय स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक मजबूरी का परिणाम लगता है न कि किसी ठोस कूटनीतिक समझौते का।

सुरक्षा गारंटी का अभाव

ट्रंप ने यूक्रेन को स्पष्ट संकेत दिया है कि वे सैन्य मदद की जगह अब आर्थिक सौदेबाजी पर जोर देंगे। उन्होंने यूक्रेन से सुरक्षा गारंटी छोड़कर अपने देश के लिए रेयर अर्थ मिनरल्स की मांग की है। ट्रंप का तर्क है कि अगर अमेरिकी कंपनियां यूक्रेन में मौजूद होंगी, तो रूस वहां हमला करने से बचेगा। लेकिन यह तर्क तात्कालिक लाभ की सोच को दर्शाता है, क्योंकि जब 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, तब भी अमेरिकी कंपनियां वहां सक्रिय थीं।

अमेरिका की साख पर सवाल

यूक्रेन संकट ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के रिश्तों को प्रभावित किया है। ब्रिटेन और फ्रांस ने यूक्रेन में अपनी फौज रखने की बात कही है, लेकिन अमेरिकी गारंटी के बिना यह पर्याप्त नहीं होगा। बाइडन प्रशासन ने लोकतंत्र की रक्षा और रूस के विस्तारवादी मंसूबों को रोकने के लिए यूक्रेन की मदद की थी, लेकिन ट्रंप ने इसे सिर्फ सौदेबाजी का जरिया बना दिया है। इससे अमेरिका की वैश्विक साख को गहरा आघात लग सकता है अमेरिका की नीति अगर अवसरवादी बनती है, तो उसकी वैश्विक स्थिति कमजोर हो सकती है। सहयोगियों का विश्वास जीतने के लिए जरूरी है कि अमेरिका अपने रणनीतिक साझेदारों के साथ खड़ा रहे।

औरंगज़ेब: जीवन और शासन का विस्तृत इतिहास

परिचय

औरंगज़ेब आलमगीर (1618-1707) भारत में मुगल साम्राज्य का छठा और सबसे लंबे समय तक शासन करने वाला बादशाह था। उसने 1658 से 1707 तक शासन किया, जो लगभग 49 वर्षों तक चला। उसकी नीति, कठोर प्रशासन और धार्मिक कट्टरता के कारण उसे एक विवादास्पद शासक माना जाता है।

औरंगजेब का जन्म 3 नवंबर, 1618 को दाहोद, गुजरात में हुआ था। वह मुगल वंश के छठे सम्राट थे जिसके अधीन, साम्राज्य अपनी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। औरंगजेब को आलमगीर की उपाधि दी गई जिसका अर्थ है दुनिया का विजेता। कुछ इतिहासकरों के मुताबिक, औरंगजेब अपने समय का सबसे क्रूर शासक था, जिसने सत्ता पर कब्ज़ा करने के लिए अनगिनत ज़ुल्म किये। औरंगजेब के जीवन परिचय से संबंधित अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए तालिका को पढ़ें। औरंगजेब, मुग़ल वंश का छठा सम्राट था, जो बाद में अकबर के बाद सबसे अधिक समय तक शासन करने वाला मुग़ल शासक बना। उसका मूल नाम अबुल मुजफ्फर मुहिउद्दीन मोहम्मद था लेकिन आमतौर पर उसे औरंगजेब या आलमगीर के नाम से जाना जाता था। आपको बता दें की वह, मुगल सम्राट शाहजहाँ और उसकी पत्नी मुमताज महल का सबसे बड़ा पुत्र था।

1. प्रारंभिक जीवन (1618-1658)

जन्म और शिक्षा

औरंगज़ेब का जन्म 3 नवंबर 1618 को उज्जैन के पास दोहाद (वर्तमान गुजरात) में हुआ था।

वह मुगल बादशाह शाहजहाँ और मुमताज़ महल का तीसरा पुत्र था।

उसने अरबी, फारसी, इस्लामी कानून और युद्धकला की शिक्षा प्राप्त की।

उसके शिक्षक थे मुल्ला शाह मुहम्मद और मिर्ज़ा ग़ियास बेग।

युवावस्था और सैन्य अभियानों में भागीदारी

1636 में उसे दक्कन का सूबेदार बनाया गया।

1645 में गुजरात का गवर्नर बना।

1647 में उसे बल्ख (अफ़गानिस्तान) और बदख़्शां की लड़ाइयों में भेजा गया, लेकिन यह अभियान असफल रहे।

1652 में वह पुनः दक्कन का गवर्नर बना और बीजापुर एवं गोलकुंडा के खिलाफ लड़ाइयाँ लड़ीं।

2. सत्ता संघर्ष और सम्राट बनना (1658-1660)

शाहजहाँ के पुत्रों के बीच संघर्ष

शाहजहाँ के चार पुत्रों - दारा शिकोह, शुजा, मुराद और औरंगज़ेब के बीच सिंहासन के लिए संघर्ष हुआ।

1657 में शाहजहाँ बीमार पड़ा, जिससे उत्तराधिकार का युद्ध शुरू हुआ।

1658 में संभलपुर की लड़ाई में औरंगज़ेब ने शुजा को हराया।

धर्मत (1658) और समूगढ़ (1658) की लड़ाई में उसने दारा शिकोह को हराया।

1659 में देवराई की लड़ाई में उसने दारा शिकोह को अंतिम रूप से पराजित किया।

अपने भाई मुराद बख्श को धोखे से बंदी बना लिया और बाद में उसकी हत्या कर दी।

1658 में औरंगज़ेब ने आगरा किले में अपने पिता शाहजहाँ को कैद कर दिया और स्वयं को बादशाह घोषित किया।

3. औरंगज़ेब का शासन (1658-1707)

प्रशासनिक नीतियाँ

उसने मुगल प्रशासन को अधिक केंद्रीकृत और अनुशासित बनाया।

सख्त इस्लामी कानून (शरिया) लागू किया।

नवरत्नों की संस्कृति को समाप्त किया, केवल इस्लामी विद्वानों को प्रश्रय दिया।

धार्मिक नीतियाँ

1679 में जज़िया कर फिर से लागू किया, जिससे हिंदू प्रजा नाखुश हुई।

कई मंदिरों को तोड़ा, जिनमें काशी विश्वनाथ और मथुरा के केशवदेव मंदिर प्रमुख थे।

सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर को इस्लाम कबूल न करने पर मृत्युदंड दिया।

हिन्द व्यापारियों पर कर लगाया, जबकि मुसलमानों को करों में छूट दी।

सैन्य अभियान

राजपूत नीति: पहले जय सिंह और जसवंत सिंह जैसे राजपूतों से दोस्ती की, लेकिन बाद में मारवाड़ (राजस्थान) के शासकों से संघर्ष हुआ।

मराठों से युद्ध: शिवाजी से संघर्ष हुआ, शिवाजी ने 1666 में औरंगज़ेब के दरबार में आत्मसमर्पण किया, लेकिन बाद में भाग गए।

दक्कन अभियान (1681-1707):

1687 में उसने बीजापुर और गोलकुंडा को जीता।

छत्रपति संभाजी को पकड़कर 1689 में हत्या कर दी।

मराठा गुरिल्ला युद्ध नीति के कारण औरंगज़ेब को भारी कठिनाई हुई।

उत्तर-पूर्व में विद्रोह: असम, बंगाल और अफगानिस्तान में लगातार विद्रोह होते रहे।

4. औरंगज़ेब की मृत्यु और पतन (1707)

1707 में अहमदनगर में उसकी मृत्यु हो गई।

उसके बाद मुगल साम्राज्य का पतन शुरू हो गया।

उसके पुत्र बहादुरशाह प्रथम ने सत्ता संभाली, लेकिन मुगलों की शक्ति तेजी से कमजोर हो गई।

5. औरंगज़ेब की विरासत और प्रभाव

सकारात्मक पहलू

प्रशासन को सख्ती से लागू किया।

भारत में सबसे बड़ा मुगल साम्राज्य स्थापित किया।

कृषि और व्यापार को बढ़ावा दिया।

नकारात्मक पहलू

धार्मिक कट्टरता से हिन्द-मुस्लिम एकता प्रभावित हुई।

अत्यधिक युद्धों के कारण आर्थिक कमजोरी आई।

जज़िया कर और मंदिर विध्वंस नीतियों से हिन्द जनता में असंतोष बढ़ा।

राजपूत, मराठा, सिख और जाटों से टकराव के कारण मुगलों की शक्ति कमजोर हो गई।

निष्कर्ष

औरंगज़ेब एक कुशल शासक और योद्धा था, लेकिन उसकी नीतियाँ मुगल साम्राज्य के लिए हानिकारक साबित हुईं। उसकी धार्मिक कट्टरता और कठोर प्रशासनिक नीतियों ने साम्राज्य को कमजोर कर दिया और उसकी मृत्यु के बाद मुगल सत्ता तेजी से ढह गई।

क्या औरंगज़ेब सफल शासक था?

सैन्य रूप से सफल: उसने मुगल साम्राज्य को सबसे बड़े विस्तार पर पहुँचाया।

प्रशासनिक रूप से कठोर: लेकिन उसकी नीतियाँ विद्रोहों को जन्म देती रहीं।

धार्मिक रूप से विवादास्पद: उसकी कट्टरता ने मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी।

अंततः, औरंगज़ेब ने भारत में मुगल साम्राज्य को अपनी चरम सीमा तक पहुँचाया, लेकिन उसकी गलत नीतियों के कारण यह बहुत जल्द पतन की ओर बढ़ गया।

लैंगिक समानता

अर्चना कुमारी

'आधी आबादी' को पूरा हक मिलना चाहिए

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद जरूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं।

यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है। वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा विरोधाभास और राजनीतिक दलों का दोगलापन है।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी, जब उन्हें घर-परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत का नाम 146 देशों की सूची में 135वें स्थान पर रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी कम होने के पीछे प्रमुख कारण अब तक समाज में पितृसत्तात्मक ढाँचे का मौजूद होना है। हमें इस बात को समझना होगा कि पुरुषों और महिलाओं की समान भागीदारी न केवल न्याय और लोकतंत्र के लिए अहम है, बल्कि ये सुव्यवस्थित मानव अस्तित्व के लिए भी अनिवार्य है।जाहिर है, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और प्रशासन से लेकर राजनीति तक बेटियों को अभी काफी अवसर और सुविधाएं देना बाकी है। यह काम सरकारों को भी करना है और समाज को भी।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दर्शन

संकलित

जब मन अशांत हो, इष्टदेव के मंत्रों करे जप

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

प्रेरणा

संकलित

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करे

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

अट्टुकल पोंगाला उत्सव

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को अट्टुकल पोंगाला उत्सव के दौरान अट्टुकल भगवती मंदिर में भक्त विलाक्कुकेट्टु जुलूस में भाग लेते हुए।

आज की पाती

प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष ८ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल की सच्चाईयां बहुत ही खौफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न मजबूर न समझो इसे बेचारी। सजीवन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं।

-मदन बाजपेयी, भिलाई

ट्रेंड

तमिल में पाठ्यक्रम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को भी जल्द से जल्द तमिल भाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू करना चाहिए। इससे तमिल माध्यम से पढ़ाई करने वाले छात्रों को लाभ होगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विकास का दीप जलाएंगे

विगत सरकारों ने दिल्ली के हर विभाग, हर व्यवस्था को इतना बदहाल कर दिया है। हमें एक जंग लगा हुआ सिस्टम विरासत में मिला है लेकिन हम अपने बुलंद हौसलों और कर्तव्यनिष्ठा से दिन-रात काम करके दिल्ली में विकास का दीप जलाएंगे।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

महिलाओं को प्रोत्साहन

इस पहचान के लिए मैं बहुत आभारी हूँ, मैं और अधिक महिलाओं को आगे आने और अपनी यात्रा की पटकथा लिखने में यथास्थिति को चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ।

-किरण मजूमदार-शॉ, उद्यमी

उम्र सिर्फ़ एक संख्या

जिस शख्स ने फिल्मों में 28 साल की उम्र में 65 साल के बुजुर्ग की भूमिका निभाई हो, और ज्यादातर अपनी उम्र से बड़े किरदारों के रोल किए हों, उसकी जवानी तो अब शुरू हुई है! उम्र सिर्फ़ एक संख्या है, मैं इसका आदर्श उदाहरण हूँ।

-अनुपम खेर, अभिनेता

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के घने बालों की प्रशंसा की

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के घने बालों की सराहना की और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों को संदेश दिया कि उन्हें जल्द धरती पर वापस लाया जाएगा। ट्रंप (78) ने अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे बुच विल्मोर और विलियम्स को पृथ्वी पर वापस लाने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत रूप से एक बचाव दल को कक्षा में भेजने की संभावना का जिक्र किया और आठ दिन के मिशन के नौ महीने तक जारी रहने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, 'बाइडन ने उन्हें वहीं फंसा छोड़ दिया।' उन्होंने कहा, 'हमारे दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। मैंने एलन (मस्क) से कहा, 'मेरा एक काम करो। क्या तुम उन्हें बाहर निकाल कर ला सकते हो? उन्होंने कहा 'हां'। वह वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि दो सप्ताह में। ट्रंप ने कहा कि मस्क अभी एक यान तैयार कर रहे हैं जो ऊपर जाएगा और उन्हें वहां से ले जाएगा।

ऑफ बीट

पुराना पीठ दर्द मस्तिष्क से होता है उत्पन्न

पुराने पीठ दर्द से पीड़ित अधिकांश लोग स्वाभाविक रूप से सोचते हैं कि उनका दर्द चोट या शरीर में अन्य समस्याओं जैसे गठिया या उभरी हुई डिस्क के कारण होता है। लेकिन हमारी शोध टीम ने पाया है कि मस्तिष्क में होने वाली प्रक्रिया के रूप में दर्द के मूल कारण के बारे में सोचने से रिकवरी को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हम दर्द पुनर्संसाधन थेरेपी नामक एक मनोवैज्ञानिक उपचार का अध्ययन कर रहे हैं जो मस्तिष्क में अप्रभावी और अनावश्यक दर्द संकेतों को 'बंद' करने में मदद कर सकता है। पुराने समय से चला आ रहा दर्द आज सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह अमेरिका में विकलांगता का प्रमुख कारण है, और इसकी आर्थिक लागत मधुमेह या कैंसर से भी अधिक है। सबसे आम दीर्घकालिक दर्द पीठ दर्द है। कई मरीज - और डॉक्टर - पीठ की विभिन्न समस्याओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिनके बारे में उन्हें संदेह है कि यह दर्द का कारण हो सकता है। इसलिए वे हर तरह के उपचार आजमाते हैं, लेकिन अक्सर कोई फायदा नहीं होता।

वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ- 5 लाख से अधिक प्रकरणों का आपसी समझाइश से होगा निस्तारण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह ने शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ परिसर में वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझाइश द्वारा लंबित प्रकरणों के निस्तारण की मूल भावना को साकार किया जाता है। जिससे पक्षकारों के समय की बचत के साथ-साथ उनके मध्य वैमनस्य का भाव भी समाप्त होता है।

न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित प्रकरणों सहित प्री-लिटिगेशन स्तर तक के समस्त प्रकरणों का आपसी समझाइश से निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की सुनवाई ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यमों से की जाएगी।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरि ओम अत्रि ने बताया कि जन सामान्य के द्वारा अपने प्रकरणों को राजीनामे के माध्यम से निपटाने हेतु प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाए जाएंगे। इन प्रकरणों की सुनवाई हेतु अधीनस्थ न्यायालयों की कुल 468 बैंचों का गठन किया गया। अत्रि ने बताया कि 24 फरवरी तक इन बैंचों में 3 लाख 39 हजार 344 प्री-लिटिगेशन तथा न्यायालयों में लम्बित 2 लाख 8 हजार 605 प्रकरणों सहित कुल 5 लाख 47 हजार 949 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी।

अत्रि ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति आमजन एवं पक्षकारों में काफी उत्साह है। पक्षकार स्वयं आगे बढ़कर अपने मामलों को लोक अदालत में लगवाने के लिए आ रहे हैं। साथ ही, विद्वान अधिवक्तागण अपने स्तर पर पक्षकारों को अपने मामले राजीनामा के माध्यम से सुलझाने वाले इस सुलभ माध्यम को अपनाने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर एवं जयपुर पीठ सहित प्रदेश के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों, उपभोक्ता आयोगों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकरणों में भी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में कार्यरत न्यायाधिपतिगण की 04 बैंचों का गठन कर 3 हजार 170 लंबित प्रकरण तथा राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ में 04 सेवानिवृत्त न्यायाधिपतिगण की बैंचों का गठन कर 1 हजार 503 लम्बित प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु रैफर किये गये हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह

— महिलाओं का विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं का विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि महिलाएं राजनीति, कला, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित हर मोर्चे पर अपने उत्कृष्ट कार्यों से देश और प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति का आह्वान किया कि अंतिम पंक्ति पर खड़ी जरूरतमंद महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के लिए मिलकर प्रयास करें और देश-प्रदेश को सशक्त बनाने में अपनी महत्ती भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को बिड़ला सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं त्याग, करुणा, स्नेह, धैर्य, सहनशीलता, संवेदनशीलता, सौम्यता, विनम्रता, वीरता व सहानुभूति जैसे अनेक गुणों की प्रतिमूर्ति होती हैं। यह दिन मातृशक्ति के योगदान को सम्मान देने का अवसर तथा हर क्षेत्र में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करने का दिन है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे के लिए उसकी मां ही प्रथम गुरु होती है तथा व्यक्ति को सुशिक्षित एवं सभ्य बनाने में नारी का बहुत बड़ा योगदान होता है। हमारी संस्कृति में नारी को हमेशा सम्मान दिया गया है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा की जाती है वहां देवता निवास करते हैं।

प्रधानमंत्री के फैसलों से बढ़ा महिलाओं का सम्मान:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसलों से देश में महिलाएं सशक्त तथा आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी कड़ी में आज के दिन प्रधानमंत्री के डिजिटल सोशल मीडिया अकाउंट की जिम्मेदारी भी नारी शक्ति को ही सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जहां घर-घर में शौचालय बनवाकर नारी शक्ति को उचित सम्मान दिया वहीं, उज्ज्वला योजना से घर—घर तक रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाया। हमारी सरकार भी 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आधी आबादी की उन्नति और प्रगति के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करवाया जिससे महिलाओं के लिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

महिलाओं के कल्याण और हितों के लिए राज्य सरकार ने लिए अहम निर्णय:-

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार महिलाओं के कल्याण और हितों के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत 3 लाख से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। साथ ही, मातृवंदन योजना से करीब 5 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा साथिन बहनों के मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 10 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों पर पौधारोपण जैसे कार्य किए गए हैं।

महिला सशक्तीकरण की गति को तेज करने के लिए बजट में किए महत्त्वपूर्ण प्रावधान:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि देश और प्रदेश दोनों का बजट महिलाओं ने ही पेश किया है। हमारे इस बजट में भी महिला सशक्तीकरण की गति को तेज करने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। संभागीय मुख्यालयों पर 50 बेड के सरस्वती हाफ वे होम्स स्थापित, 10 जिला मुख्यालयों पर बालिका देखभाल संस्थान, नवगठित नगरीय निकायों में 500 पिंक टॉयलेट का निर्माण जैसे कदम बजट में उठाए गए हैं। इसी तरह बजट में हर ब्लॉक पर एक उच्च माध्यमिक विद्यालय या महाविद्यालय में रानी लक्ष्मीबाई केंद्र की स्थापना, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और कालीबाई योजना के तहत 35 हजार स्कूटियों के वितरण का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा:-

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर दिए जा रहे एक लाख रुपये के सेविंग बॉन्ड की राशि को बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपये करने की घोषणा की।

खाटू श्याम जी मेला 2025 के यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रेलवे द्वारा खाटू श्याम जी मेला 2025 के यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु गाडी संख्या 04709/04710, हिसार- ढेहर का बालाजी - हिसार मेला स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 4709, हिसार - ढेहर का बालाजी मेला स्पेशल रेलसेवा दिनांक 08.03.25 से 10.03.25 तक (03 ट्रिप) हिसार से 21.00 बजे रवाना होकर अगले दिन 04.00 बजे ढेहर का बालाजी पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाडी संख्या 04710, ढेहर का बालाजी-हिसार स्पेशल रेलसेवा दिनांक 09.03.25 से 11.03.25 तक (03 ट्रिप) ढेहर का बालाजी से 04.30 बजे रवाना होकर 12.10 बजे हिसार पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में हांसी, बवानी खेडा, भिवानी, चरखी दादरी, झाडली, कोसली, रेवाडी, नारनौल, नीम का थाना, श्रीमाधोपुर, रींगस व चौमू सामोद स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 10 साधारण श्रेणी/द्वितीय शयनयान एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 12 डिब्बे होंगे।

जेडीए ने महिला दिवस पर सेंट्रल पार्क में पिंक टॉयलेट निर्माण हेतु घोषणा की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण ने सेंट्रल पार्क, जयपुर में महिलाओं के लिए विशेष 'पिंक टॉयलेट' निर्माण की घोषणा की है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उठाया गया है, जो महिलाओं की सुरक्षा और स्वच्छता को प्राथमिकता देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बताया कि पिंक टॉयलेट का उद्देश्य न केवल महिलाओं को स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की सुविधा प्रदान करना है, बल्कि यह महिलाओं के प्रति समाज में सम्मान और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ावा देना है। इन टॉयलेट्स में आधुनिक सुविधाएं (सैनेट्री पैड वेंडिंग मशीन) उपलब्ध होंगी, जिसमें स्वच्छता, गोपनीयता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

उन्होंने बताया कि "महिलाओं की सुरक्षा और स्वच्छता जेडीए के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिंक टॉयलेट का निर्माण महिलाओं को एक सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान प्रदान करेगा, जहां वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।"

पिंक टॉयलेट को आकर्षक और आरामदायक तरीके से डिजाइन किया जाएगा, जिससे महिलाएं बिना किसी झिझक के उनका उपयोग कर सकें। इसके साथ ही, इस टॉयलेट में स्वच्छता और रखरखाव का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

इस पहल के माध्यम से, जयपुर विकास प्राधिकरण राज्य सरकार के निर्देशन एवं नेतृत्व में महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। न केवल महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करेगी, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक होगी।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में विभाग की बड़ी उपलब्धि

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव पशुपालन विभाग डॉ. समित शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी जिलों के संयुक्त निदेशकों ने अपने अपने जिले का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया।

कैंप की सार्थकता सुनिश्चित करें-

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट की समीक्षा करते हुए डॉ. शर्मा ने इसके प्रभावी पर्यवेक्षण पर बल दिया और निर्देश दिया कि सेवा प्रदाता का काम निर्धारित शर्तों के अनुरूप नहीं होने पर उनके लिए कुछ दंड का प्रावधान किया जाए। उन्होंने यूनिट के कैंप मोड की व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि एक कैंप में कम से कम 30 पशुओं का इलाज अवश्य होना चाहिए तभी कैंप की सार्थकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि संचालनकर्ता फर्मों को नियमानुसार भुगतान भी समय पर सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में विभाग की बड़ी उपलब्धि-

डॉ शर्मा ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि योजना में विभाग ने अच्छा टीम वर्क किया है। उन्होंने अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि इस योजना में विभाग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अब पशुओं का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करने में तेजी लाएं। उन्होंने बीमा के लिए काम करने वाले कार्मिकों की प्रोत्साहन राशि में वृद्धि करने के निर्देश भी दिए जिससे काम में गति आ सके। उन्होंने 31 मार्च तक पशुपालकों को बीमा जारी करने लिए काम करने के निर्देश प्रदान किए जिससे पशुपालकों को बीमा का लाभ जल्द से जल्द मिलना शुरू हो सके।

आवश्यक दवाइयों की कमी नहीं होने दी जाएगी-

अवधिपार दवाइयों की समीक्षा करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि पशु चिकित्सालयों में आवश्यक दवाइयों की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री महोदय से आवश्यक दवाइयों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया गया था जिसे उन्होंने तत्काल स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि वेटरिनरी कॉलेजों में भी इन दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी जिससे वहां शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को इनके उपयोग की व्यवहारिक जानकारी पहले से ही हो सके और दवाइयों के बारे मे वे सीख सकें। अवधिपार दवाइयों के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि अब केवल 8 जिलों में अवधिपार दवाइयां रह गई हैं जो कि आने वाले सप्ताह में शून्य हो जाएंगी। बाकी सभी जिलों इन दवाइयों की संख्या शून्य है।

कृत्रिम गर्भाधान में प्रदेश को पहले स्थान पर लाना है-

कृत्रिम गर्भाधान विषय पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले 15 अगस्त तक हमें कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में देश में पहले स्थान पर लाना है। उन्होंने कहा कि पशुधन में दुधारू पशुओं की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार सेक्स सोर्टेड सीमन तकनीक को बढ़ावा दे रही है। इस तकनीक से बछड़ी पैदा होने की संभावना 85 से 90 प्रतिशत तक हो जाती है। उन्होंने बताया कि सेक्स सोर्टेड सीमन के उत्पादन के लिए बस्सी में एनडीडीबी के सहयोग से लैब स्थापित किया जाएगा जिसमें स्थानीय स्तर पर सीमन का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने सेक्स सोर्टेड सीमन की खरीद शुरू कर दी है। अब विभाग के अधिकारी अधिक से अधिक पशुपालकों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह तकनीक किसानों तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि 10 से 12 मार्च तक विशेष अभियान चलाकर गोशालाओं के गायों की जांच करके बांझपन से ग्रसित गौवंशीय पशु एवं प्रजनन योग्य मादा गौवंशीय पशुओं का चिन्हिकरण तथा चयनित गौवंशों के लिए आवश्यकतानुसार उपचार की कार्ययोजना बनाई जाए। डॉ शर्मा ने कहा कि एआइ और वैक्सीनेशन कार्यक्रम तथा एमवीयू में 15 अगस्त तक हमें देश में पहले स्थान पर होने के लिए और हमें इस दिशा में एकजुट होकर काम करना है।

जिलों में विभाग की सभी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराना है-

जिलों में विभाग की भूमि पर अतिक्रमण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि भरतपुर और जैसलमेर जिले ने इस मुद्दे पर बहुत अच्छा काम करते हुए विभाग की करोड़ों रुपये की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। अन्य जिलों को भी इस दिशा में तत्परता से काम करते हुए शेष अतिक्रमित भूमि को भी अतिक्रमण से मुक्त कराना है।

काम में कोताही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई-

डॉ. शर्मा ने काम के प्रति लापरवाही और कोताही बरतने वाले अधिकारियों और कार्मिकों की कड़े शब्दों में भर्त्सना करते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस राज्य स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, सहित विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जिलों के संयुक्त निदेशक तथा वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

विधानसभा अध्यथक्ष देवनानी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दी शुभकामनाएं

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थारन विधान सभा अध्यरक्ष वासुदेव देवनानी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्यो पर राजस्थामन विधान सभा में महिला विधायकगण का सम्मानि किया। देवनानी ने महिला विधायकों के साथ ही प्रदेश की महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधान सभा अध्यसक्ष श्री देवनानी ने कहा कि महिलाएं मूलत: भारतीय संस्कृलति की रक्षक है। उन्हों ने कहा कि महिलाएं सकारात्म क सोच और अपनी योग्यमताओं को व्यीवहार में लाए तथा सामाजिक विसंगतियों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

देवनानी ने कहा कि महिलाएं प्रोफेशनल के साथ ईमोशनल बने। महिलाएं ही महिलाओं की भावनाओं को अच्छीग तरह समझ सकती है। देवनानी ने कहा कि महिलाएं बेटियों के साथ बेटों को भी संस्कांरित करें। देवनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृदति में नारी को पूरा सम्माबन दिया जाता है।

देवनानी ने कहा कि बच्चों के साथ अधिक से अधिक समय व्य तीत करने का प्रयास करें। प्रात: और सांयकाल में तो आवश्यनक रूप से बच्चों के साथ बैठें, उनसे बाते करें और उनकी भावनाओं को समझने का प्रयास करें। उन्हों ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चो हो या बडा सभी मन ही मन अपनी समस्याीओं से जूझते रहते हैं। बच्चों् को अवसाद से बचाने के लिए उनके मन की बातों को समझना आवश्यबक है।

देवनानी ने इस मौके पर राजस्था न विधान सभा की महिला विधायकों को सम्मामनित किया। इस मौके पर सरकारी मुख्यन सचेतक जोगेश्वथर गर्ग और प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा सहित राजस्थानि विधान सभा की महिला अधिकारीगण मौजूद थी।

हिम्मत एवं हुनर के दम पर युवा हासिल करें मुकाम - राज्यवर्धन सिंह राठौड़

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। युवा देश का भविष्य है, युवा जीवन में असफलताओं से हताश होने के बजाय असफलतओं को अपनी सफलता की सीढ़ी बनायें और हिम्मत एवं हुनर के दम पर अपना मुकाम हासिल करें। राजस्थान सरकार युवाओं की प्रतिभा तलशाने एवं तराशने का काम कर रही है। यह कहना है केबिनेट मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य, खेल एवं युवा मामले एवं खेल विभाग, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उप्रक्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुंडियारामसर में शनिवार को आयोजित विशाल कौशल रोजगार एवं उद्यमिता शिविर को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नारी शक्ति एवं युवा शक्ति विश्व को नई उचाईयां प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को आर्थिक रूप से संबल बनाकर उनके जीवन को खुशहाल बनाने में कार्य कर रहीं है। राजस्थान सरकार द्वारा आगामी वर्ष में 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियां एवं करीब 1 लाख 50 हजार निजी क्षेत्र में रोजगार प्रदान किया जायेगा।

राज्य मंत्री माननीय के. के. विश्नोई (उद्योग एवं वाणिज्य, खेल एवं युवा मामले एवं खेल विभाग, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग) ने भी आशार्थियों एवं नियोजकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कौशल,रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के आयुक्त गौरव सैनी ने मेले का अवलोकन कर सभी आगन्तुक नियोजकों को मेले में उपस्थित होने पर आभार व्यक्त किया। रोजगार विभाग के निदेशक धर्मपाल मीणा ने बताया कि विभाग द्वारा मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के अंतर्गत 577 करोड़ की राशि वितरित की है। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उपनिदेशक श्रीमती नवरेखा ने बताया कि इस मौके पर अतिथियों द्वारा 20 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गयें तथा रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले 10 निजी नियोजकों को सम्मानित किया गया।

मेगा रोजगार मेले मे 3893 आशार्थियों ने भाग लिया। मेगा रोजगार मेले में निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फॉर्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेंटर, बीमा आदि क्षेत्रों से संबंधित 51 निजी नियोजकों ने भाग ले कर अपनी रिक्तियों के साथ मौके पर ही 814 युवा आशार्थियों का प्राथमिक चयन किया गया एवं प्रशिक्षण हेतु 308 आशार्थियों का चयन कर लाभान्वित किया गया। इस मौके पर स्वरोजगार की जानकारी एवं कैरियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इस मौके पर आईटीआई जिला उद्योग केन्द्र, आरएसएलडीसी, एवं एनसीएस फॉर एससी/एसटी के अधिकारी एवं प्रतिनिधि ने मेले में भाग ले कर अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कीं। सेना भर्ती कार्यालय ने मौके पर उपस्थित युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की।

राजस्थान रोडवेज ने साबित की अपनी उत्कृष्टता, 3 विभिन्न श्रेणियों में मिले पुरस्कार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम को एसोसिएशन ऑफ स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न 3 श्रेणियों में रनर अप पुरस्कार दिए गए। शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित हुए पुरस्कार समारोह में नेशनल पब्लिक बस ट्रांसपोर्ट अवार्ड श्रेणी में राजस्थान रोडवेज को रोड सेफ्टी, नॉन ट्रैफिक रिवेन्यू एवं एम्पलाई प्रोडक्टिविटी अवार्ड (ग्रामीण) श्रेणी में रनर अप का पुरस्कार दिया गया।

रोडवेज अध्यक्ष शुभ्रा सिंह ने राजस्थान रोडवेज को मिले इन पुरस्कारों को सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत और कार्य निष्ठा का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों, कर्मचारियों, चालकों, परिचालकों एवं आर्टिजंस के समन्वित प्रयासों से राजस्थान रोडवेज ने विभिन्न क्षेत्रों में उच्च मानदंड स्थापित कर ये पुरस्कार हासिल किए हैं। शुभ्रा सिंह ने इस उपलब्धि पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों बधाई और शुभकामनाएं दीं।

प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने समस्त निगम परिवार को इस शानदार उपलब्धि की बधाई देते हुए बताया कि नई दिल्ली में आयोजित समारोह में इन पुरस्कारों को निगम की ओर से कार्यकारी निदेशक प्रशासन चांदमल वर्मा एवं कार्यकारी निदेशक अभियांत्रिकी रवि सोनी ने ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान रोडवेज सड़क सुरक्षा, राजस्व अर्जन बढ़ाने और कार्मिकों की संतुष्टि के लिए और बेहतरीन प्रयास करता रहेगा।

स्तन कैंसर जागरुकता और नवीनतम उपचार तकनीकों पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन

उदयपुर(रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में 7 और 8 मार्च 2025 को ब्रैस्ट कैंसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया और एसोसिएशन ऑफ मेडिकल अपडेट्स की संयुक्त राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन हुआ। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का उद्घाटन गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल के कर कमलों द्वारा किया गया। देशभर से आए 300 से अधिक कैंसर विशेषज्ञों ने स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों ऑंकोप्लास्टिक सर्जरी, स्क्रीनिंग तकनीकों और उपचार के नवीनतम तरीकों पर चर्चा की। सम्मेलन में ऑपरेटिव प्रक्रियाओं का लाइव प्रसारण भी किया गया, जिससे स्थानीय विशेषज्ञों और रोगियों को लाभ मिला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर विशेष डिबेट आयोजित की गई, जिसमें स्तन कैंसर जागरूकता और समय पर जांच के महत्व पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने जोर दिया कि गीतांजलि कैंसर सेंटर में विश्वस्तरीय तकनीकों की उपलब्धता से उदयपुर और आसपास के मरीजों को उन्नत उपचार सुविधाएँ मिल रही हैं।

सम्मेलन की ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. गरिमा मेहता और ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. आशीष जाखेटिया ने इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया। यह कॉन्फ्रेंस स्तन कैंसर उपचार में हो रहे नवाचारों को अपनाने और चिकित्सा जगत में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

रा.उ.मा.वि. हाउसिंग बोर्ड मे बेटी बचाओ बेटी पढाओ कार्यशाला का हुआ आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका) । शहर के हाउसिंग बोर्ड स्थित सेठ मुरलीधर जमनादास वारदान वाले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाउसिंग बोर्ड में शुक्रवार को बेटी बचाओ बेटी पढाओ पर महत्वपूर्ण कार्यशाला का हुआ आयोजन । जिसमे वार्ताकारो ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार ने बताया कि कार्यक्रम मे संस्थाप्रधान श्रीमती शान्ति चौहान ने कहा कि बेटिया तो अनमोल होती है जो किस्मत वालो के घर मे पैदा होती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पाली के कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार ने बालिकाओ एवं महिला शिक्षकों को कन्या भूण हत्या, मुखबिर योजना, भूण लिंग रोकने की शपथ दिलवाई । जिला हब एम्पावरमेन्ट ऑफ वूमन से जेण्डर स्पेशलिस्ट राजश्री द्वारा गुड एवं बेड टच के बारे में बताया की अच्छा स्पर्श शारीरिक संपर्क को संदर्भित व बच्चे को सुरक्षित, आरामदायक और प्यार महसूस कराता है। अच्छे स्पर्श के गले लगाना, हाथ मिलाना, पीठ थपथपाना और हाई-फाई शामिल है। यह स्पर्श माता पिता देखभाल करने वाले या भरोसेमंद व्यक्तियो द्वारा दिए जाते है। बुरा स्पर्श भी शारीरिक संपर्क शामिल होता है जो बालिकाओं को असहज, हारा हुआ सा महसूस कराता है। जैसे धक्का देना या शरीर के निजी अंगो को अवांछित रूप से हो सकता है। जब कोई आपकों गलत तरीके से छुता है तो उस व्यक्ति आपको यह पसंद नही है और आप नही चाहते कि कोई आपको छुए, जल्दी से दूर हो जाए जिस पर आपको भरोसा हो माता पिता, रिश्तेदार, शिक्षक या डॉक्टर को जानकारी दे। इसके साथ ही उसकी शिकायत चाइल्ड लाइन नम्बर 1098 टोल पर भी शिकायत कर सकते है। इस मौके पर जूंजाराम पटेल, श्रीमती जया करमचंदानी, दर्शना शेखावत, श्रीमती तेज कंवर राठौड़ रेखा हाटडिया, श्रीमती स्नेहा चौधरी, श्रीमती मंजू बालोटिया समेत स्टाफ मौजूद रहा।

मानसून पैलेस तक पहुंची उदयपुर सेंचुरी में लगी आग, तेज हवा और सूखी घास बनी परेशानी

उदयपुर। सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में पिछले चार दिनों से आग भड़क रही है। तेज हवा के कारण आग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में आग फैल चुकी है जिससे वन्यजीवों के जीवन पर संकट मंडराने लगा है। गुरुवार रात तक आग की लपटें सेंचुरी के जानवरों के पिंजरों तक पहुंच गईं लेकिन समय रहते काबू पा लिया गया। दावा किया गया है कि पिंजरों में कोई जानवर नहीं था और नुकसान नहीं हुआ।

उदयपुर के सज्जनगढ़ सेंचुरी में लगातार चौथे दिन आग भड़क रही है और अब तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। करीब 50 हेक्टेयर क्षेत्र में आग फैल चुकी है और लपटें मानसून पैलेस तक पहुंच गई हैं। आग की लपटें पैलेस से 800 मीटर की दूरी तक दिखाई दे रही हैं।

आग बुझाने के लिए 60 फीट गहरी खाई में 10 कर्मचारियों को उतारा गया है और पहाड़ी के पास 9 फायर ब्रिगेड तैनात किए गए हैं। जहां गाड़ी नहीं पहुंच सकती, वहां 50-50 मीटर के पाइप जोड़कर पानी की आपूर्ति की जा रही है।

बायोलॉजिकल पार्क में पर्यटकों की एंट्री बंद:-

गुरुवार रात तक आग की लपटें सेंचुरी के जानवरों के पिंजरों तक पहुंच गई थीं, लेकिन समय रहते काबू पा लिया गया। दावा किया गया है कि पिंजरों में कोई जानवर नहीं था और नुकसान नहीं हुआ। आग को देखते हुए मानसून पैलेस और बायोलॉजिकल पार्क में पर्यटकों की एंट्री बंद कर दी गई है।

तेज हवा के कारण आग फिर से भड़क उठी:-

आग को नियंत्रित करने के लिए फायर लाइन बनाई गई थी, लेकिन सूखी घास और तेज हवा के कारण आग फिर से भड़क उठी। विभाग ने दावा किया कि सूखी घास के कारण आग लगातार फैल रही है।

आग बुझाने के प्रयास में 14 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और 150 से ज्यादा कर्मचारी शामिल हैं। फायर ऑफिसर शिवराम मीणा के अनुसार, आग की दिशा बदलने से यह अब ऊंचाई की ओर बढ़ रही है, लेकिन बायोलॉजिकल पार्क की सुरक्षा के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं।

खाटू श्याम जी के लखी मेले में सफाई व्यवस्था व मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी: राजेश वर्मा

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । खाटू श्याम जी के लखी मेले में दर्शन हेतु हजारों की संख्या में श्रद्धालु चौमूं क्षेत्र से होकर पैदल यात्रा कर रहे हैं। लेकिन नगर परिषद द्वारा इन यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं जैसे: पेयजल व्यवस्था, सार्वजनिक स्थलों पर अस्थायी शौचालय आदि की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है। यात्रा मार्ग में जगह-जगह भंडारों का आयोजन हो रहा है, जहां प्रसाद व अल्पाहार ग्रहण करने के बाद प्लास्टिक की पानी की बोतलें व अन्य कचरा सड़कों पर फैल रहा है। नगर परिषद द्वारा यदि शाम की पारी में झाड़ू आदि लगाकर सफाई सुनिश्चित की जाती, तो यह कचरा सड़कों पर ना बिखरता। लेकिन वर्तमान में कचरे के ढेर और गंदगी से क्षेत्र का सौंदर्य बिगड़ रहा है, जो नगर परिषद प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा ने नगर परिषद प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग की है कि लखी मेले के दौरान चौमूं से गुजरने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए प्राथमिक स्तर पर पानी, चल शौचालय और सफाई अभियान जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित की जाएं। ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा ना हो और नगर की स्वच्छता बनी रहे ।

बिना वैध ट्रेड प्रमाण पत्र के वाहन बेचने पर परिवहन विभाग ने की कार्रवाई

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय की रोड़ नम्बर 03 पर स्थित ओला इलेक्ट्रिक टेक्नॉलॉजीज प्रायव्हेट लिमिटेड पर कार्यवाही की गई, जिस पर ई- स्कूटरों की प्रदर्शनी तथा विकय किया जा रहा था। कार्यवाही के दौरान उक्त शोरूम पर पाया गया कि कुल 12 ई-स्कूटर जिसमें से 08 पर नम्बर प्लेट लगी पाई गई तथा 03 बिना नम्बर प्लेट के पाये गये, शोरूम संचालक से वाहन विक्रय करने हेतु वैध दस्तावेजात (ट्रेड प्रमाण पत्र) मांगने पर किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेजात (ट्रेड प्रमाण पत्र) नहीं होना पाया गया, जिससे प्रथम दृष्टया मामला राजस्व हानि कारित करने का प्रतीत हुआ है। जिला परिवहन अधिकारी झुन्झुनू डा. मक्खन लाल जांगिड़ ने बताया कि इस संबध में शोरूम संचालक को निर्देश दिये गये कि बिना ट्रेड प्रमाण पत्र के वाहनों का विकय नहीं करें तथा उक्त कृत्य हेतु मोटर वाहन अधिनियम 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत चालान बनाया जाकर शास्ती आरोपित की गई है।

लाडनूं के जैविभा विश्वविद्यालय में एनएसएस छात्राएं स्वच्छता अभियान चलाते हुए

लाडनूं(रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर में आयोजित निबंध लेखन कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने भाग लेकर अपने विचारों को निबंध लिख कर प्रस्तुत किया। निबंध लेखन की थीम 'नाबालिगों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति एवं समाज' रखी गई। इसके अलावा स्वयंसेवकों में चिंतनशील प्रवृत्ति विकसित करने के लिए 'टीबी मुक्त भारत अभियान' पर विचार अभिव्यक्ति का कार्यक्रम भी रखा गया। शिविर में इस विद्यार्थियों में चिंतनशीलता एवं भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में विचारों के लिए प्रेरित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने अपने विचार अभिव्यक्त किए। इसके अलावा शिविर में स्वच्छता अभियान भी संचालित किया जाकर लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही स्व्यंसेविकाओं ने 'माय भारत' पोर्टल के बारे में लोगों को जानकारी प्रदान की और अधिक से अधिक युवाओं को इस पोर्टल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेविकाओं ने शहर के पहली पट्टी रोड, भैया बगीची व श्रीराम मंगलम अस्पताल के आस-पास सफाई भी की और नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं ने राजकीय केसर देवी उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं का 'माय भारत' पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को समझाते हुए उनका रजिस्ट्रेशन भी करवाया। शिविर के इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन में इकाई प्रथम प्रभारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. आभा सिंह और इकाई द्वितीय प्रभारी डॉ. बलबीर सिंह उपस्थित रहे और उनका मार्गदर्शन रहा।

रा.उ.मा.वि. हाउसिंग बोर्ड मे बेटी बचाओ बेटी पढाओ कार्यशाला का हुआ आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका) । शहर के हाउसिंग बोर्ड स्थित सेठ मुरलीधर जमनादास वारदान वाले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाउसिंग बोर्ड में शुक्रवार को बेटी बचाओ बेटी पढाओ पर महत्वपूर्ण कार्यशाला का हुआ आयोजन । जिसमे वार्ताकारो ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार ने बताया कि कार्यक्रम मे संस्थाप्रधान श्रीमती शान्ति चौहान ने कहा कि बेटिया तो अनमोल होती है जो किस्मत वालो के घर मे पैदा होती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पाली के कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार ने बालिकाओ एवं महिला शिक्षकों को कन्या भूण हत्या, मुखबिर योजना, भूण लिंग रोकने की शपथ दिलवाई । जिला हब एम्पावरमेन्ट ऑफ वूमन से जेण्डर स्पेशलिस्ट राजश्री द्वारा गुड एवं बेड टच के बारे में बताया की अच्छा स्पर्श शारीरिक संपर्क को संदर्भित व बच्चे को सुरक्षित, आरामदायक और प्यार महसूस कराता है। अच्छे स्पर्श के गले लगाना, हाथ मिलाना, पीठ थपथपाना और हाई-फाई शामिल है। यह स्पर्श माता पिता देखभाल करने वाले या भरोसेमंद व्यक्तियो द्वारा दिए जाते है। बुरा स्पर्श भी शारीरिक संपर्क शामिल होता है जो बालिकाओं को असहज, हारा हुआ सा महसूस कराता है। जैसे धक्का देना या शरीर के निजी अंगो को अवांछित रूप से हो सकता है। जब कोई आपकों गलत तरीके से छुता है तो उस व्यक्ति आपको यह पसंद नही है और आप नही चाहते कि कोई आपको छुए, जल्दी से दूर हो जाए जिस पर आपको भरोसा हो माता पिता, रिश्तेदार, शिक्षक या डॉक्टर को जानकारी दे। इसके साथ ही उसकी शिकायत चाइल्ड लाइन नम्बर 1098 टोल पर भी शिकायत कर सकते है। इस मौके पर जूंजाराम पटेल, श्रीमती जया करमचंदानी, दर्शना शेखावत, श्रीमती तेज कंवर राठौड़ रेखा हाटडिया, श्रीमती स्नेहा चौधरी, श्रीमती मंजू बालोटिया समेत स्टाफ मौजूद रहा।

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर रैली का आयोजन

झालावाड़(रॉयल पत्रिका)। अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड द्वारा महिला शिक्षण विहार झालावाड़ से स्काउट गाइड जिला मुख्यालय तक महिला सशक्तिकरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि श्रीमति शशि गजराना अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झालावाड़ के द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुरक्षा के कानूनों की जानकरी देने के उपरान्त इनके द्वारा रैली को हरि झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली न्यू ब्लॉक, राधारमण, मोटर गैराज, सीमेन्ट रोड़ होते हुये स्काउट गाइड मुख्यालय गढ परिसर तक की गई। इस अवसर पर जिला मुख्यालय पर समरोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता शिवप्रसाद चौबदार सहायक परियोजना अधिकारी द्वारा की गई। इस कार्यकम में उपस्थित सुश्री कृष्णा वर्मा प्रभारी शिक्षण विहार, श्रीमति सुधा शुक्ला प्रधानाचार्य शिक्षण विहार द्वारा गाइड व छात्राओं को आत्मरक्षा एवं गुड टच, बैड टच की जानकारी दी गई। तथा रामकृष्ण शर्मा सर्कल ऑर्गेनाजइर नें बताया कि स्काउटिंग गाइडिंग गतिविधियों से जुडकर कलां कौशल, आत्मनिर्भता एवं महिला सशक्तिकरण जागरूकता की आगे भी केम्पों में जानकारी देने की बात कही गई।

इस अवसर पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त कृष्ण मोहन देवडा लीडर ट्रेनर एवं रोवर लीडर रमेश कुमार गर्ग सहायक लीडर ट्रेनर, हरिओम लववंशी, दुर्गाशंकर, अनुज अग्रवाल अध्यापिका श्रीमति रेखा कश्यप, आकृति शर्मा, नन्द कॅवर हाडा द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान रहेगा लाउड स्पीकर के उपयोग पर प्रतिबन्ध

अजमेर,(रॉयल पत्रिका)। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान जिले में लाउड स्पीकर के उपयोग पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। इससे विद्यार्थी व्यवधान रहित अध्ययन कर सकेंगे। जिला मजिस्ट्रेट लोक बन्धु ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को व्यवधान रहित वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए अजमेर जिले में आगामी 10 अप्रैल तक रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि प्रसारक एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउड स्पीकर) का प्रयोग निषेध रहेगा। परीक्षा अवधि के अलावा किसी भी प्रकार के ध्वनि प्रसारक व विस्तारक यंत्रों का प्रयोग समस्त निर्धारित मापदंडो की पूर्ति करते हुए प्राधिकृत अधिकारी की अनुमति से ही किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दण्डित कराने की कार्यवाही की जाएगी। सबंधित उपखण्ड मजिस्ट्रेट, पुलिस उप अधीक्षक, तहसीलदार एवं थानाधिकारी इसकी पालना सुनिश्चित करेगें। उल्लंघनकर्ता के विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही करेगें।

लाडनूं के जैविभा विश्वविद्यालय में एनएसएस छात्राएं स्वच्छता अभियान चलाते हुए

लाडनूं(दबोत जीगको)। जैन विश्वभारती संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर में आयोजित निबंध लेखन कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने भाग लेकर अपने विचारों को निबंध लिख कर प्रस्तुत किया। निबंध लेखन की थीम 'नाबालिगों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति एवं समाज' रखी गई। इसके अलावा स्वयंसेवकों में चिंतनशील प्रवृत्ति विकसित करने के लिए 'टीबी मुक्त भारत अभियान' पर विचार अभिव्यक्ति का कार्यक्रम भी रखा गया। शिविर में इस विद्यार्थियों में चिंतनशीलता एवं भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में विचारों के लिए प्रेरित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने अपने विचार अभिव्यक्त किए। इसके अलावा शिविर में स्वच्छता अभियान भी संचालित किया जाकर लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही स्व्यंसेविकाओं ने 'माय भारत' पोर्टल के बारे में लोगों को जानकारी प्रदान की और अधिक से अधिक युवाओं को इस पोर्टल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेविकाओं ने शहर के पहली पट्टी रोड, भैया बगीची व श्रीराम मंगलम अस्पताल के आस-पास सफाई भी की और नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं ने राजकीय केसर देवी उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं का 'माय भारत' पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को समझाते हुए उनका रजिस्ट्रेशन भी करवाया। शिविर के इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन में इकाई प्रथम प्रभारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. आभा सिंह और इकाई द्वितीय प्रभारी डॉ. बलबीर सिंह उपस्थित रहे और उनका मार्गदर्शन रहा।

शिक्षित बालिका ही समाज की प्रगति' का आधार: जिला कलक्टर

-बालिकाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक बनी 'नींव' दौड़

बारां, (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग एवं हमारी लाड़ो फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'नींव, लड़कियां भागें सबसे आगे' नामक 5 किलोमीटर दौड़ का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्साहपूर्ण दौड़ में जिले के सभी 8 ब्लॉकों से राजकीय विद्यालयों की लगभग 350 बालिकाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। दौड़ का आयोजन खेल संकुल से चारमूर्ति सर्किल, प्रताप चौक, धर्मादा चौराहा, कन्या महाविद्यालय एवं ओवरब्रिज होते हुए पुनः खेल संकुल पर समापन हुआ। इस अवसर पर छात्राओं ने भारी उत्साह के साथ दौड़ में भाग लिया। इस मौके पर जिला प्रशासन एवं पुलिस के सभी आला अधिकारी भी छात्राओं के साथ शिरकत करते दिखाई दिए।

दौड़ के बाद सभी छात्राएं एवं अधिकारीगण स्थानीय होटल में एकत्रित हुए जहां सभी प्रतिभागियों और महिला प्रतिनिधियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक राधेश्याम बैरवा ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'समाज की असली प्रगति तभी संभव है जब हमारी बेटियां आत्मनिर्भर और सशक्त हों। खेलों से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक मजबूती भी मिलती है, जो जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है।'

वहीं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने कहा कि 'बालिकाओं का सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना और खेलों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। जिला कलक्टर ने कहा कि महिलाएं समाज को आकार देती है। कठिनाईयों से हिम्मत से लडने का हौंसला देती है। ताकि हर परिस्थिति में हम आगे बढ़ सके। दौड़ में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागी बालिकाओं एवं उनकी प्रशिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया और भविष्य में खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

महिला दिवस पर विशेष सम्मान समारोह:-

इस अवसर पर जिले की पहचान बन चुकी डॉ. ऋचा वर्मा, कविता मीणा, निकीता यादव, डॉ. हिमानी भाटिया, डॉ. प्रीति मीणा एवं खादी फाउंडेशन और सार्वजनिक सेवा धर्मादा संस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में परचम लहरा चुकी महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी, हमारी लाड़ो फाउंडेशन की संस्थापिका प्रेमलता पूनिया, नरेश सिंह सिकरवाल, जगदीश मीणा, डीएसओ अनिल चौधरी, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

जिला स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह-2025 अन्तर्गत जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग की ओर से शनिवार, 8 मार्च को जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला अधिकारिता विभाग सवाई माधोपुर के संरक्षण अधिकारी राजेन्द्र कुमार द्वारा संभागियों को कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में विभागीय योजनाओं यथा बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, काली बाई भील, महिला संबल शिक्षा सेतू योजना तथा काली बाई भील उडान योजनान्तर्गत प्रत्येक ब्लॉक से उत्कृष्ट कार्य करने वाली एक-एक मानदेयकर्मी साथिनों को प्रशस्ति पत्र व मोमेन्टो भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं जिले की विभिन्न परियोजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाडी कार्यकर्ताओ एवं सहायिकाओं का माता यशोदा पुरस्कार प्रदान किया गया है। उपनिदेशक प्रियंका शर्मा द्वारा संभागियो को अवगत करवाया गया कि आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिका, साथिन आदि ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं की आवाज बनकर उनके मुद्दो को प्रशासन तक पहुंचाती है तथा विभिन्न योजनाओ का सीधा लाभ प्रदान करवाती है। कार्यक्रम में राजस्थान मरू उडान नवाचार अन्तर्गत बेटी बचाओ-बेटी पढाओ तथा बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलवाई गई तथा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। संभागियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के अनुभव साझा किए गए। संरक्षण अधिकारी राजेन्द्र कुमार द्वारा महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 की जानकारी प्रदान करते हुए अवगत कराया गया कि ऐसे सभी राजकीय, निजी संस्थान व कार्य स्थल जहां 10 या 10 से अधिक कार्मिक कार्यरत है वहाँ आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि लैंगिक उत्पीड़न से पीड़ित महिलाएं कार्यस्थल पर गठित शिकायत समिति में अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती है। जहाँ कार्य स्थल पर आंतरिक शिकायत समिति गठित नहीं है वहाँ लैंगिक उत्पीड़न से पीड़ित महिलाएं जिला मुख्यालय पर गठित स्थानीय शिकायत समिति में शिकायत दर्ज करा सकती है। सुपरवाईजर महिला अधिकारिता सुरेन्द्र चौधरी द्वारा संभागीयों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग के सहायक लेखा अधिकारी प्रदीप कुमार गौतम, वरिष्ठ सहायक नूतन कुमार जिन्दल, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र से परामर्शदाता अनीता कंवर तथा प्रिया तेहरिया तथा डीएचईडब्ल्यू से अनन्या तिवारी तथा जीतेन्द्र बहादुर आदि उपस्थित रहे।

त्योहारों को लेकर कलक्टर एवं एसपी ने ली अधिकारियों की बैठक

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिले में होली, धूलंडी, रंग तेरस, रमजान सहित विभिन्न त्योहारों पर शांति एवं सौहार्द बनाए रखने को लेकर जिला कलक्टर आलोक रंजन एवं जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने आज डीओआईटी के वीसी कक्ष में अधिकारियों की बैठक ली एवं आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कलक्टर आलोक रंजन ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि विभिन्न त्योहारों पर आपसी सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली विभिन्न सूचनाओं पर साइबर क्राइम के माध्यम से नियंत्रण रखें एवं गलत सूचनाओं पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करें। जिला कलक्टर ने बैठक में भूमि आवंटन सहित विभिन्न प्रकरणों पर भी अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने आयोजित किए जा रहे हैं फार्मर रजिस्ट्री शिविरों की उपलब्धि की जानकारी भी ली।

बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने भी जिले में त्योहारों पर शांति व्यवस्था के प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान सभी उपखण्ड अधिकारी भी वीसी के माध्यम से जुड़े।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू. अ.) रामचंद्र खटीक, सीईओ जिला परिषद विनय पाठक, और अतिरिक्त जिला कलक्टर रावतभाटा विनोद मल्होत्रा, उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल सहित संबंधित जिला स्तरीय उपस्थित रहें।

बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन क्रिसिल आईबीएक्स फाइनेंशियल सर्विसेज 3-6 महीने का डेट इंडेक्स फंड लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स फाइनेंशियल सर्विसेज 3-6 महीने का डेट इंडेक्स फंड लॉन्च करने की घोषणा की है, जो एक ओपन-एंडेड कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड है, जिसे निवेशकों को संरचित अल्पकालिक निश्चित-आय निवेश अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह फंड प्रमुख बैंकों, एनबीएफसी और वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी किए गए एएए-रेटेड सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट, कमर्शियल पेपर्स और कॉरपोरेट बॉन्ड वाले पोर्टफोलियो में निवेश करता है। 6 महीने से 3 महीने तक की व्यवस्थित रोल-डाउन रणनीति के साथ, फंड का लक्ष्य लिक्विडिटी बनाए रखते हुए और ब्याज दर जोखिम को कम करते हुए अल्पकालिक उपज लाभ प्राप्त करना है। न्यू फंड ऑफर गुरुवार, 06 मार्च को खुलेगा और मंगलवार, 11 मार्च को बंद होगा। निवेशक लाइसेंस प्राप्त म्यूचुअल फंड वितरकों, निवेश सलाहकारों, ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से फंड की सदस्यता ले सकते हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, बंधन एएमसी के सीईओ विशाल कपूर ने कहा निश्चित आय वाले निवेश, विशेष रूप से छोटी अवधि के ऋण, पूंजी को संरक्षित करते हुए बाजार में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। वित्तीय सेवा क्षेत्र जिसमें बैंक, एनबीएफसी और वित्तीय संस्थान शामिल हैं मजबूत पूंजी बफर, कम एनपीए और स्थिर ऋण वृद्धि द्वारा समर्थित, लचीला बना हुआ है।

सोनालीका ने फरवरी 2025 में 10,493 कुल ट्रैक्टर बिक्री और घरेलू वायटीडी

फरवरी 25 में अब तक का सर्वाधिक ट्रैक्टर बिक्री दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने फरवरी25 में 10,493 कुल ट्रैक्टर बिक्री के शानदार प्रदर्शन के साथ वित्त वर्ष 2025 के अंतिम चरण में प्रवेश किया है। सर्वोत्तम उत्पाद और सर्विस प्रदान करने के अपने मज़बूत बुनियादी मूल्य का लाभ उठाते हुए, कंपनी ने अपनी वायटीडी फरवरी25 में अब तक की सर्वाधिक 1,13,279 घरेलू ट्रैक्टर बिक्री भी दर्ज की है और उद्योग वायटीडी प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत की विकास यात्रा में सक्रिय रूप से योगदान देते हुए सोनालीका वास्तव में किसानों के लिए बेहतर परिणाम और सफलता सुनिश्चित करने हेतु इनोवेशन और ताकत सुनिश्चित करता है।

सोनालीका किसानों की आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने में विश्वास रखती है क्योंकि इसका लक्ष्य अपनी शानदार यात्रा में शामिल सभी हितधारकों के लिए समावेशी विकास है। कंपनी लगातार ताकतवर और उन्नत तकनीक से सुसज्जित ट्रैक्टरों का एक इष्टतम मिश्रण तैयार करती है जो सामूहिक रूप से किसानों को उत्पादकता और स्थिरता प्रदान करते हैं। सोनालीका सतत विकास प्रदान करने, पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाने और ग्रामीण समुदायों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। शानदार प्रदर्शन पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइन्ट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हम फरवरी25 में शानदार 10,493 कुल ट्रैक्टर बिक्री दर्ज करके उत्साहित हैं, जिससे हमने वायटीडी फरवरी25 में अब तक की सर्वाधिक घरेलू बिक्री भी दर्ज की है और उद्योग के प्रदर्शन को पीछे किया है7 सोनालीका ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि फसल पैदावार बढ़ाने हेतु हमारी उन्नत कृषि तकनीक सभी भौगोलिक क्षेत्रों और अनुप्रयोगों में सर्वश्रेष्ठ से बेहतर प्रदर्शन करती रहे। हमारा बुनियादी मूल्य सभी हितधारकों के लिए समावेशी विकास है, जिसके द्वारा हम किसानों के लिए एक ऐसा भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

एचएफसीएल ने दूरसंचार ऑपरेटरों और ढांचागत सुविधा प्रदाताओं के साथ मिलकर महाकुंभ 2025 में निर्बाध संपर्क और सुरक्षा समाधान की पेशकश की

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्रणी टेक्नोलॉजी एंटरप्राइस और एकीकृत अगली पीढ़ी के संचार सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी एचएफसीएल लिमिटेड (एचएफसीएल) ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में जबरदस्त कनेक्टिविटी को समर्थ बनाया जिससे 45 दिनों में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन वाले दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन को सहयोग मिला। इस सॉल्यूशन की अवधारणा और पेशकश अग्रणी ऑपरेटरों में से एक की साझीदारी में की गई जिसने विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम की जरूरतों को पूरा किया।

इसके अलावा, एचएफसीएल ने एक अग्रणी ढांचागत सुविधा प्रदाता की साझीदारी में शीर्ष सुरक्षा ढांचा सॉल्यूशंस की भी पेशकश की। इन सॉल्यूशंस की तैनाती से इस वृहद स्तर पर उच्च निष्पादन वाले नेटवर्क सॉल्यूशंस को उपलब्ध कराने के लिए देशज टेक्नोलॉजी का उपयोग करने में एचएफसीएल की विशेषज्ञता का पता चलता है। इतने बड़े स्तर पर महाकुंभ मेला ने दूरसंचार ऑपरेटरों और ढांचागत सुविधा प्रदाताओं के लिए बड़ी चुनौती पेश की थी जिसमें अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नेटवर्क जाम होने की चुनौती शामिल थी। इसके लिए रीयल टाइम वीडियो निगरानी और विश्वसनीय बैकहॉल इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत थी जिससे लाखों संपर्क उपकरणों को सपोर्ट प्रदान किया जा सके। एचएफसीएल द्वारा पूर्ण रूप से देश में ही विकसित सॉल्यूशंस ने एक समग्र नेटवर्क और निगरानी प्रणाली तैनात कर इन चुनौतियों से निपटने में सफलता हासिल की जिससे विश्वसनीय कनेक्टिविटी, प्रभावी भीड़ प्रबंधन और वृहद जन सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी। वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट्स, उच्च क्षमता के बैकहॉल रेडियोज़, सर्विलांस बैकबोन के लिए एल2 स्विचेस और एक वीडियो मैनेजमेंट सिस्टम की रणनीतिक रूप से तैनाती कर एचएफसीएल ने इस वृहद स्तर के आयोजन के लिए एक सुरक्षित एवं जुड़े हुए वातावरण का निर्माण किया।

भारत में अवैध जुआ एवं सट्टेबाजी बाजार के खिलाफ लड़ाई में शामिल हों मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियां: डिजिटल इंडिया फाउंडेशन की रिपोर्ट

अवैध सट्टेबाजी एवं जुआ संचालकों ने भारत में तेजी से अपना पैर पसारा

● भारतीय नियामकों को गूगल और मेटा जैसी सोशल मीडिया कंपनियों के साथ सक्रियता से सहयोग करने की जरूरत है, क्योंकि जुए से संबंधित विज्ञापनों को नियंत्रित करने को लेकर प्रवर्तन अत्यधिक असंगत है ● अवैध साइट्स को खत्म करने और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की हिफाजत के लिए एक इकोसिस्टम एप्रोच की आवश्यकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल इंडिया फाउंडेशन द्वारा आज जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तेजी से बढ़ते अवैध ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर को खत्म करने के लिए एक इकोसिस्टम एप्रोच अपनाना होगा। इसके लिए मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आवश्यकता है। यह फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी थिंक टैंक है, जो डिजिटल समावेशन और विकास को बढ़ावा देता है। 'भारत में अवैध जुआ एवं सट्टेबाजी बाजार- आकार एवं सहयोगी' (इलिगल गैंबलिंग एंड बेटिंग मार्केट इन इंडिया- द स्केल एंड इनेबलर्स) शीर्षक से जारी इस रिपोर्ट में डिजिटल प्लेटफॉर्म से संबंधित नीतियों का विश्लेषण किया गया और पाया गया कि पैसे देकर विज्ञापन चलाने को लेकर सख्त नियम हैं, लेकिन इन्हें लेकर प्रवर्तन असंगत है।

भारत में अवैध जुआ एवं सट्टेबाजी का इकोसिस्टम डिजिटल विज्ञापनों, सोशल मीडिया एवं मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, क्रिप्टोकरेंसी जैसी पेमेंट टेक्नोलॉजी आदि से जुड़े सिस्टम के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है। यह अवैध सेक्टर प्रति वर्ष 100 अरब डॉलर से अधिक का है। डिजिटल के प्रसार, तकनीकी प्रगति और नियामकीय अनिश्चितता के कारण यह प्रति वर्ष 30त्न की दर से बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध जुए और सट्टेबाजी का स्तर चौंका देने वाला है। विश्लेषण में शामिल चार प्लेटफॉर्म - पेरीमैच, स्टेक, 1एक्सबेट और बैटरी बेट पर मात्र तीन महीनों (अक्टूबर से दिसंबर, 2024) में 1.6 अरब विजिट देखने को मिली। इन चारों प्लेटफॉर्म पर ट्रैफिक सोर्स के विश्लेषण से पता चला है कि इन तीन महीनों में सोशल मीडिया से 4.28 करोड़ विजिट आई। यह ट्रैफिक फेसबुक विज्ञापन नेटवर्क, प्रमोटेड कंटेंट, इन्फ्लूएंसर मार्केटिंग और सोशल मीडिया एंगेजमेंट कैंपेन जैसे डायरेक्ट पेड विज्ञापनों से आता है।

समस्या की गंभीरता को देखते हुए रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि इस दिशा में एक व्यापक रणनीति अपनाई जानी चाहिए। इसके तहत अवैध बाजार के प्रमुख इनेबलर्स के रूप में काम आने वाले गूगल एवं मेटा आदि को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। साथ ही अनुपालन को सख्त किया जाना चाहिए। अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जरूरी है कि प्रवर्तन उपायों को अलग-अलग वेबसाइट ब्लॉकिंग से आगे बढ़ाते हुए एक व्यापक इकोसिस्टम एप्रोच की ओर ले जाया जाए।

डिजिटल इंडिया फाउंडेशन के प्रमुख और सह-संस्थापक डॉ. अरविंद गुप्ता ने कहा, अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म की बढ़ती संख्या और इनके विकास ने ऐसा माहौल बनाया है, जिससे इन साइट्स पर जाने वाले भारतीय यूजर्स अक्सर समझ ही नहीं पाते कि वे किसी अवैध प्लेटफॉर्म से जुड़ रहे हैं। इससे प्रभावी तरीके से निपटने के लिए मात्र इन अवैध वेबसाइटों को ब्लॉक करने जैसे उपायों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय, एक अधिक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है - जो अवैध सट्टेबाजी और जुए के संचालन को सक्षम बनाने वाले पूरे इकोसिस्टम को निशाना बनाए। इसमें विज्ञापन, पेमेंट ऑपरेटर्स और इन प्लेटफॉर्म का समर्थन करने वाले सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर्स को लक्ष्य बनाना भी शामिल है।

भारत सरकार ने वेबसाइट ब्लॉकिंग और आधिकारिक सलाह के माध्यम से इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है, क्योंकि अवैध ऑपरेटर सजा से बचकर काम जारी रखते हैं और नियमों के हिसाब से खुद को ढालते रहते हैं। इसलिए, एमआईबी, आई4सी, डीजीजीआई, उपभोक्ता मामले विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय जैसे सरकारी विभागों को साथ मिलकर या अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सर्च इंजन और विज्ञापन नेटवर्क सहित डिजिटल विज्ञापन इंटरमीडियरीज के साथ सहयोग की एक व्यवस्था बनानी चाहिए।

अभिनेत्रियों ने सशक्तिकरण और सीमाओं को तोड़ने पर साझा किए अपने विचार

मुंबई। रुबीना दिलैक, जो कलर्स के 'लॉफ्टर शेफ्स अनिलिमिटेड एंटरटेमेंट' में नजर आ रही हैं, ने कहा, मैं एक ऐसे घर में पली-बढ़ी हूं जहां महिलाओं की चलती हैं और पुरुष हमारी सफलता देखकर गर्व महसूस करते हैं। मेरी दादी हमारे परिवार की रीढ़ हैं, और हमारी पीढ़ी की हर महिला—चाहे वह मेरी मां हों, मेरी बुआएं हों, या अब मैं—हम सभी को केवल प्यार से ही नहीं, बल्कि सच्चे सम्मान के साथ रानी की तरह रखा गया है। हमारे जीवन के पुरुष—मेरे पति, मेरे पिता, मेरे ससुर—सिर्फ हमारी ताकत को स्वीकार ही नहीं करते, बल्कि उसे बढ़ावा भी देते हैं। महिला दिवस सिर्फ एक दिन मनाने का नहीं, बल्कि सोच बदलने और सम्मान व सशक्तिकरण को रोजमर्रा की वास्तविकता बनाने का अवसर है। हर महिला के लिए मेरा संदेश यही है—दुनिया के आपको पहचानने का इंतजार मत कीजिए, खुद अपनी पहचान बनाइए और एक-दूसरे को ऊपर उठाइए।

इन्फोसिस का फरमान, कर्मचारियों को कम से कम 10 दिन ऑफिस से करना होगा काम

नईदिल्ली, एजेंसी। इन्फोसिस ने कहा है कि वह अपने अटेंडेंस सॉफ्टवेयर में कुछ बदलाव करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर्मचारी महीने में कम से कम 10 दिन ऑफिस से काम करें। इन्फोसिस ने फंक्शनल हेड्स को भेजे एक ईमेल में कहा कि यह नई पॉलिसी 10 मार्च, 2025 से लागू होगी। इन नए बदलावों से हर महीने वर्क-फ्रॉम-होम के दिनों की संख्या पर एक सीमा लगाई जाएगी। रिपोर्ट में ईमेल का हवाला देते हुए कहा गया, इसे लागू करने के लिए, 10 मार्च, 2025 से सिस्टम में कुछ बदलाव किए जाएंगे, जिससे हर महीने वर्क-फ्रॉम-होम के दिनों की संख्या सीमित हो जाएगी। यह कदम नए हाइब्रिड वर्क नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, जबकि कर्मचारियों को लचीलापन भी दिया जाएगा।

किस पर पड़ेगा असर - इस फैसले से इन्फोसिस के 3.23 लाख कर्मचारियों में से जॉब लेवल 5 और उससे नीचे के कर्मचारियों पर इसका असर पड़ेगा। जेएल5 कर्मचारी टीम लीडर होते हैं, जबकि इससे नीचे के रैंक में सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सीनियर इंजीनियर, सिस्टम इंजीनियर और कंसल्टेंट शामिल हैं।

ऑफिस क्यों बुला रहा है इन्फोसिस

इन्फोसिस चाहता है कि कर्मचारी ऑफिस आकर काम करें ताकि टीम के साथ बेहतर तालमेल बन सके और कंपनी के वर्किंग कल्चर को मजबूत किया जा सके। साथ ही, यह कदम कर्मचारियों के बीच सहयोग और इन्वोशन को बढ़ावा देने के लिए भी है। हालांकि, कंपनी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि कर्मचारियों को फ्लैक्सिबिलिटी मिले और वे कुछ दिन घर से भी काम कर सकें। एक अन्य कर्मचारी के हवाले से कहा गया कि यह कदम यूनिट की आवश्यकता के बजाय परियोजना की आवश्यकता से अधिक है।

ये लोग नहीं है शामिल

मैनेजर, सीनियर मैनेजर, डिलीवरी मैनेजर और सीनियर डिलीवरी मैनेजर जेएल6 और उससे ऊपर के रैंक में आते हैं। हालांकि, वाइस प्रेसिडेंट्स इसमें शामिल नहीं हैं।

खज़ांची ज्वेलर्स ने डिजिटल उपस्थिति बढ़ाई

जेम एंड ज्वेलरी इंडिया इंटरनेशनल फेयर 2025 में सफलता हासिल की

मुंबई एजेंसी। खज़ांची ज्वेलर्स लिमिटेड (बस्थ- 543953) ने जेम एंड ज्वेलरी इंडिया इंटरनेशनल फेयर - बी2बी एक्सपो 2025 में सफलतापूर्वक भाग लिया, जो 28 फरवरी 2025 से 2 मार्च 2025 तक चेन्नई ट्रेड सेंटर, नंदमबक्कम में आयोजित किया गया। कंपनी ने अपने ऐप का रीब्रांडिंग कर नाम ÷गोल्ड सेविंग स्कीम ऐप÷ से बदलकर ÷ज्वेलरी परचेज प्लान ऐप÷ कर दिया है, जिससे कंपनी की व्यापक व्यापारिक दृष्टि को बेहतर तरीके से दर्शाया जा सके और ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक व उन्नत सेवाएँ प्रदान की जा सकें।

ज्वेलरी परचेज प्लान ऐप को ग्राहकों के लिए एक सहज और सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है, जिससे उन्हें अधिक सुविधा और बेहतर अनुभव मिले। यह ऐप आधुनिक उपभोक्ता आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई विशेषताओं की पेशकश करता है। ग्राहक अब दैनिक सोने की दरों को ट्रैक कर सकते हैं और अपनी सुविधानुसार भुगतान कर सकते हैं। आप हमारे ऐप में खाता खोल सकते हैं, जिसका लिंक नीचे साझा किया गया है। आप मासिक किश्तों का भुगतान कार्ड या किसी अन्य ऑनलाइन बैंकिंग सुविधा के माध्यम से कर सकते हैं। आपको प्रत्येक माह नियत तिथि पर निश्चित किश्त राशि का भुगतान करना आवश्यक है, जो 11 महीनों तक चलेगा। 11 महीनों के बाद, आप विशेष छूट के लिए पात्र होंगे।

इसके अतिरिक्त, यह ऐप क्वेरी समाधान की सुविधा भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता कंपनी के कर्मचारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं और अधिक व्यक्तिगत व कुशल सेवा अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। ऐप डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें। स्टॉल क्यू3 पर प्रदर्शनी में हिस्सा लेते हुए, खज़ांची ज्वेलर्स ने अपने बेहतरीन आभूषणों की एक उत्कृष्ट श्रृंखला प्रदर्शित की, जिसने उद्योग पेशेवरों, थोक विक्रेताओं और खुदरा व्यापारियों का जबरदस्त ध्यान आकर्षित किया। उनके स्टॉल पर भारी भीड़ देखी गई, जो उनके प्रीमियम डिज़ाइनों और उत्कृष्ट कारीगरी की मजबूत मांग को दर्शाती है। तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान, कंपनी ने कुल ?55-60 करोड़ के ऑर्डर प्राप्त किए। खज़ांची ज्वेलर्स लिमिटेड आयोजकों, व्यापार भागीदारों और सभी हितधारकों का आभार व्यक्त करता है, जिनकी सहायता से यह सफल भागीदारी संभव हो पाई।

नादानियां का एल्बम हुआ रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी। नादानियां का जादू सभी के सर चढ़ कर बोल रहा है इश्क में और ग़लतफहमी से श्रोताओं को दीवाना बनाने के बाद इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की शानदार फिल्म नादानियां अपने अगले मनमोहक साउंडट्रैक के साथ दिलों को जीत रही है जो संगीत की गहराइयों को छू रहा है इस एल्बम को मशहूर संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है जिसमें अमिताभ भट्टाचार्य के बेहतरीन गीतों का जादू शामिल है यह साउंडट्रैक प्रेम, तड़प, उलझन और खुशी जैसे एहसासों को धुनों के तार में बड़ी खूबसूरती से पिरोता है नादानियां का संगीत आपको अनेकों भावनाओं की गहराइयों तक ले जाएगा, जहां हर एक पल जादुई और यादगार बन जाएगा। तो तैयार हो जाइए इस सुनहरे संगीतमय सफर के लिए। इस एल्बम के लॉन्च पर बात करते हुए इब्राहिम अली खान ने कहा नादानियां एक शानदार एल्बम है जो प्यार, उम्मीद, उलझन और दिल टूटने जैसी भावनाओं को बड़ी खूबसूरती से बयां करती है इस फिल्म का संगीत इसकी जान है और यह मेरे दिल के बहुत करीब है। हमे बड़ी बेसब्री से इंतजार है कि दुनिया इसे कब जल्द से जल्द सुने और महसूस करे।

राजीव कपूर ने मिशन सेव लाइफ्स -13-पॉइंट प्लान पेश क्रिया

मोरक्को। वैश्विकसड़कसुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एकमहत्वपूर्ण कदम केरूप में, एन-डब्ल्यूएचओ ने स्टीलबर्ड हेलमेट्स केप्रबंध निदेशकराजीव कपूर को हेलमेट विशेषज्ञ केरूप में आमंत्रित किया। उन्होंने मोरक्को में आयोजित चौथे मंत्रीस्तरीय सम्मेलन में मिशन सेव लाइफ्स नामक13-पॉइंट रोडमैप का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य 2030 तक वैश्विकसड़कदुर्घटनाओं को 50त्न तककम करना है। यह पहल ह केडेकेड ऑफ एक्शन फॉर रोड सेफ्टी (2021-2030) केतहत की जा रही है। दुनिया भर केहेलमेट निर्माताओं, नीति निर्माताओं और उद्योग केनेताओं केसाथ एकमहत्वपूर्ण चर्चा केदौरान, श्री कपूर ने सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि को रोकने केलिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। सभी विकासशील देशों में एकसार्वभौमिकहेलमेट सुरक्षा मानकहोना बहुत आवश्यकहै, ताकि हेलमेट आसानी से उपलब्ध हों और उनकी कीमत किफायती हो। वर्तमान में प्रत्येक विकासशील देश अपने स्वयं केसुरक्षा मानक बना रहा है, जिससे हेलमेट निर्माताओं को प्रत्येकदेश केअलग-अलग मानकों केअनुसार हेलमेट विकसित करने पड़ते हैं। हेलमेट केप्रकार केअनुसार, इसे विकसित करने में 2 साल से अधिकका समय और 1,00,000 - 3,00,000 अमेरिकी डॉलर का निवेश लगता है।

5वें लाइनमैन दिवस पर बिजली क्षेत्र के फ्रंटलाइन वर्कर्स को किया सम्मानित

मुंबई, एजेंसी। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली सांविधिक निकाय, सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) ने टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) के सहयोग से नई दिल्ली में लाइनमैन दिवस के 5वें संस्करण का आज सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह खास दिवस भारत के बिजली क्षेत्र की रीढ़ माने जाने वाले लाइनमैन और ग्राउंड मेंटेनेंस कर्मचारियों के अमूल्य योगदान की सराहना करने के लिए मनाया जाता है। इस मौके पर देश भर के 45 से अधिक सरकारी और प्राइवेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन, जेनरेशन और ट्रांसमिशन कंपनियों के 180 से अधिक लाइनमैन निर्बाध बिजली की आपूर्ति बनाए रखने के अपने अनुभव, चुनौतियों और महत्वपूर्ण क्षणों को साझा करने के लिए एक साथ आए। इसके अलावायह कार्यक्रम विचारों के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम सुरक्षा कार्यप्रणालियों पर चर्चा करने तथा प्रतिभागियों के बीच सामूहिक सीख को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच भी बना। इस अवसर

परमाननीय बिजली मंत्री तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने अपने वीडियो संदेश में इस बात पर जोर दिया कि बिजली की विश्वसनीय पहुंचउद्योगों की संपन्नता, समृद्ध व्यवसायों और जीवंत समुदाय की जीवनरेखा है। लाइनमैनहमारे मूक नायक हैं, जो मौसम, आपदा या प्रतिकूल स्थिति जैसी किसी भी चुनौती का समाना करते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। 4 मार्च को लाइनमैन दिवस उनके अटूट समर्पण का जश्न मनाता है और ऊर्जा क्षेत्र में सुरक्षा, सहयोग और इनोवेशन को बढ़ावा देता है। उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करने के लिए समर्पित एक दिन, विशेष रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान, उनकी सुरक्षा और कल्याण के महत्व को रेखांकित करता है।'' लाइनमैन दिवस समारोह के 5वें संस्करण का थीम सेवा, सुरक्षा, स्वाभिमान था, जो पावर सेक्टर के फ्रंटलाइन नायकों के समर्पण, सेवा और बलिदान को दर्शाता है। लाइनमैन के समर्पण और प्रयासों की सराहना करते हुएभारत सरकार के बिजली मंत्रालय के अधीन सांविधिक निकाय सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के अध्यक्ष श्री घनश्याम प्रसाद ने लाइनमैन दिवस पर एक विशेष एंथम लॉन्च किया। लाइनमैन के योगदान की सराहना करते हुएउन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे बिजली क्षेत्र में सुरक्षा और निर्बाध सेवा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख तत्वों में से एक हमारे लाइनमैन के लिए हॉटलाइन मेनटेनेंस ट्रेनिंग है।

बागी 3 के 5 साल पूरे !

एक्शन ब्लॉकबस्टर ने हासिल किया नया माइलस्टोन, टाइगर श्रॉफ बागी 4 के लिए तैयार !

बागी 3 को सिनेमाघरों में आए पांच साल हो चुके हैं, और इस फिल्म ने एक बार फिर साबित कर दिया कि टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के सबसे बड़े एक्शन सुपरस्टार हैं। जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, दमदार स्टंट और टाइगर की बेमिसाल फिटनेस के साथ एक्शन को फिर से परिभाषित किया, और इस फिल्म को एक नया बेंचमार्क बना दिया था। जबकि प्रशंसक इस माइलस्टोन का जश्न मना रहे हैं, टाइगर श्रॉफ पहले ही बागी फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म की शूटिंग में जुट चुके हैं। बागी 4 का एक्शन पहले से भी ज्यादा दमदार होने वाला है। बागी 4 वर्तमान में निर्माण में है और 5 सितंबर, 2025 को रिलीज़ होने वाली है। हर फिल्म के साथ टाइगर एक नया मुकाम हासिल कर रहे हैं, जिससे वह बॉलीवुड के सबसे युवा एक्शन किंग बन चुके हैं। बागी 3 के धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस से लेकर बहुप्रतीक्षित बागी 4 तक, इस फ्रेंचाइजी की विरासत और भी मजबूत होती जा रही है।

'मिर्जापुर' की गोलू अब बनाएंगी फिल्म

'मिर्जापुर' फेम अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अभिनय के बाद अब फिल्म निर्माण से भी जुड़ने के लिए तैयार हैं। उनके पास कई जॉनर की फिल्में हैं। अपने आगामी प्रोजेक्ट से वह निर्माता के तौर पर

जुड़ने वाली थीं, लेकिन फिर उन्होंने निर्माता बनने का फैसला ले लिया। 'मिर्जापुर' फेम अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अभिनय के बाद अब निर्माता के तौर पर इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हैं। उनके पास कई जॉनर के प्रोजेक्ट्स हैं। श्वेता को पहले प्रोडक्शन में बनी फिल्म दो महिलाओं के बीच की प्रेम कहानी पर आधारित होगी। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने एक अभिनेता के रूप में एंट्री ली थी, लेकिन बाद में निर्माता के रूप में जुड़ने का फैसला लिया। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने ऐसा क्यों किया?

क्यों लिया फिल्म का निर्माता बनने का फैसला?

निर्माता के तौर पर फिल्म से जुड़ने के फैसले के बारे में बात करते हुए श्वेता त्रिपाठी ने कहा, जब एक एक्टर के रूप में यह स्क्रिप्ट मेरे पास आई तो मैं तुरंत इसकी संवेदनशीलता और जिस तरह से इसमें प्रेम को उसके शुद्ध रूप में दर्शाया गया था.

मुश्किल में हनी सिंह !

मशहूर अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने गायक हनी सिंह के नए गाने मेनियक के खिलाफ पटना हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत में एक अर्जी दाखिल करके कहा है कि गाने में असभ्यता दिखाई गई है। मशहूर अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने गायक हनी सिंह के नए गाने मेनियक के खिलाफ पटना हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत में एक जनहित याचिका दाखिल करके कहा है कि गाने में असभ्यता दिखाई गई है। हनी सिंह का गाना मेनियक हाल ही में यूट्यूब पर रिलीज हुआ है। एक महीने में गाने पर सात मिलियन व्यूवज आ चुके हैं। इसमें ईशा गुप्ता ने डांस किया है।

जनहित याचिका में इन लोगों का भी है नाम

इस जनहित याचिका पर इसी महीने सुनवाई हो सकती है। जनहित याचिका में हनी सिंह के अलावा उन लोगों के भी नाम हैं जिन लोगों ने इस गाने को बनाने में साथ दिया है। इसमें गीतकार लिओ ग्रेवाल और भोजपुरी गायिका रागिनी विश्वकर्मा और अर्जुन अजनबी का भी ना है।

अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक को बताया स्पेशल

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक में निभाए किरदार को खास बताया है। उनके मुताबिक ये एक अविश्वसनीय यात्रा थी। बच्चन को क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के 7वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिषेक ने कहा, फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड द्वारा आई वांट टू टॉक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकित होना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। यह फिल्म एक अविश्वसनीय रूप से खास यात्रा रही है, और आलोचकों के ऐसे सम्मानित पैनल द्वारा मेरे प्रदर्शन को मान्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस मान्यता के लिए मैं फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड का आभार व्यक्त करता हूं।

आई वांट टू टॉक एक ड्रामा फिल्म है, जिसे शूजित सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में हैं और यह अर्जुन सेन की सच्ची कहानी पर आधारित है। कैंसर सर्वाइवर अर्जुन कैसे अपनी सेहत और बेटी के साथ उलझते रिश्तों को संभालने की जद्दोजहद में जुटे हैं, इस पर फिल्म केंद्रित है। विषय गहरे मानवीय और भावनात्मक संघर्षों को उजागर करता है। कोंकणा सेन शर्मा को भी क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के लिए नामांकन मिला है। कोंकणा को किलर सूप के लिए नॉमिनेट किया गया है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा, ये हमेशा सम्मान की बात होती है। चूंकि ये अभिषेक चौबे की किलर सूप के लिए है, इसलिए और भी खास है। किलर सूप एक ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है, जो अभिषेक चौबे द्वारा निर्देशित है। इस सीरीज में कोंकणा सेन शर्मा और मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं और यह 2017 में तेलंगाना में हुई एक घटना पर आधारित है। इस वर्ष क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में एक नई श्रेणी डॉक्युमेंट्री की शुरुआत की गई है। इस श्रेणी का उद्देश्य भारत की सभी भाषाओं और प्लेटफार्म्स में उत्कृष्टता को मान्यता देना है। इस नई श्रेणी के साथ, पुरस्कार भारत के समृद्ध सांस्कृतिक और रचनात्मक परिदृश्य को उजागर करने वाली आवाजों के लिए एक केंद्रीय मंच प्रदान करेंगे। पुरस्कार का उद्देश्य लघु फिल्मों, वेब सीरीज, वृत्तचित्रों और फीचर फिल्मों की उत्कृष्ट कहानियों का सम्मान करना है।

कनी कुसरुति, जिन्हें गर्ल्स विल बी गर्ल्स, पोचर और ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट में अपने अभिनय के लिए तीन श्रेणियों में नामांकित किया गया है, ने कहा, तीन अलग-अलग श्रेणियों में नामांकित होना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इससे अभिभूत हूं।

मैंने बड़ा बनने के लिए अपने नैतिक मूल्यों से कभी नहीं किया समझौता: कृतिका कामरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने एक्टिंग की दुनिया में अपने सफर के बारे में बात की। कृतिका ने बताया कि उन्होंने कभी भी बड़ा बनने के लिए अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया।

कृतिका ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि खुद के प्रति ईमानदार रहना सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा, मैंने बड़ा बनने के लिए कभी भी अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया।

मेरे लिए, मेरा सफर हमेशा अपने द्वारा चुने गए विकल्पों पर गर्व करने के बारे में रहा है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ मशहूर या स्पॉटलाइट में रहने का सवाल नहीं है, बल्कि यह रात में सुकून से सो पाने के लिए था। चाहे इंडस्ट्री कितनी भी चुनौतीपूर्ण या ग्लैमरस क्यों न हो मैंने अपने मूल्यों के साथ समझौता नहीं किया और इस वजह से ही मैं अपनी जड़ से जुड़ी रही। कृतिका ने स्पष्ट किया है कि वह आकर्षण की तुलना में कंटेंट को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कहा, मैं ट्रेंड का पीछा नहीं करना चाहती और न ही इंडस्ट्री के दबावों के अनुरूप होना चाहती।

मैं चाहती हूं कि मेरा काम मेरे विश्वास, मेरे टेस्ट और मेरी ग्रोथ को दर्शाए। मैं जो भूमिकाएं चुनती हूं, वे मेरे व्यक्तित्व का विस्तार हैं। मेरे लिए, यह ऐसी कहानियां बताने के बारे में है, जो लोगों के साथ जुड़ती हैं और एक स्थायी छाप छोड़ती हैं। कृतिका मटका किंग में नजर आएंगी। यह मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की दुनिया को दर्शाती है। इस सीरीज में विजय वर्मा भी हैं, जो मटका किंग की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। कृतिका ने जनवरी में साझा किया था कि वह साहसिक निर्णय लेने में विश्वास करती हैं और उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्रोजेक्ट से दूरी बना ली है जो पुरुषों की नजर को प्राथमिकता देते हैं।

चेक बाउंस मामले में राम गोपाल वर्मा पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, गैर-जमानती वारंट जारी

चेक बाउंस मामले में राम गोपाल वर्मा को राहत नहीं मिली है। उन्हें बड़ा झटका लगा है। निर्माता पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। दरअसल, मुंबई की एक अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

मशहूर फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा को चेक बाउंस मामले में तगड़ा झटका लगा है। मामले में निर्माता की तरफ से दाखिल जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। साथ ही गैर-जमानती वारंट जारी किया है। राम गोपाल वर्मा पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी है।

निर्माता की याचिका खारिज

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मुंबई की एक सत्र अदालत ने चेक बाउंस मामले में जेल की सजा निलंबित करने की फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा की याचिका खारिज करते हुए उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। इससे पहले, 21 जनवरी को अंधेरी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) वाई पी पुजारी ने राम गोपाल वर्मा को इस मामले में दोषी ठहराया था।

अदालत में पेश नहीं हुए राम गोपाल वर्मा

मजिस्ट्रेट ने फिल्म निर्माता को तीन महीने की जेल की सजा सुनाई थी। साथ ही तीन महीने के भीतर शिकायतकर्ता को करीब 3.72 लाख रुपये का भुगतान

करने का निर्देश दिया था। इसके बाद फिल्म निर्माता ने सत्र न्यायालय में अपील दायर कर सजा को निलंबित करने की मांग की। हालांकि, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए ए कुलकर्णी ने 4 मार्च को उनकी याचिका खारिज कर दी और फिल्म निर्माता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। राम गोपाल वर्मा सुनवाई के दौरान अदालत में पेश नहीं हुए, इसके बाद अदालत ने यह फैसला लिया। अदालत ने निर्माता की जेल की सजा को निलंबित करने की याचिका खारिज कर दी।

कब होगी अगली सुनवाई?

राम गोपाल वर्मा की तरफ से उनके वकील, दुरेंद्र के.एच. शर्मा ने अदालत में जमानत के लिए आवेदन किया था। वकील ने दो अलग-अलग आवेदन पेश किए थे, एक जमानत के लिए और दूसरा सजा पर रोक लगाने के लिए। लेकिन वर्मा की गैरमौजूदगी के कारण इन दोनों ही याचिकाओं को अदालत ने खारिज कर दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। इसी दौरान निर्माता के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन की रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

हीरो-हीरोइन के बीच वेतन असमानता पर शेफाली शाह ने तोड़ी चुप्पी

फिल्मी दुनिया में हीरो और हीरोइन को मिलने वाले वेतन में जमीन-आसमान का अंतर होता है। इस गैर-बराबरी पर अक्सर बातें होती हैं। हाल ही में शेफाली शाह ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड में भी लैंगिक असमानता ने पावं पसारे हुए हैं। हीरो और हीरोइन को मिलने वाला वेतन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। समय-समय पर इस मसले पर बातें और चर्चा भी होती हैं। हाल ही में चर्चित अभिनेत्री शेफाली शाह ने भी इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

श्रुति हासन ने बताई अपनी जिंदगी की कहानी

अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपनी जिंदगी की कहानी शेयर की है और बताया है कि वह सुबह जल्दी उठने वाली व्यक्ति नहीं हैं। सिने आइकन कमल हासन की बेटी श्रुति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर श्रुति की एक सेल्फी लग रही है जिसमें वह कार की पिछली सीट पर बैठी हैं। उनके बाल गीले हैं और बहुत कम मेकअप में उनका लुक नेचुरल लग रहा है। फोटो में वह थोड़ी गंभीर दिख रही हैं। तस्वीर के नीचे लिखा है, मैं सुबह जल्दी नहीं उठती। मेरी जिंदगी की कहानी। श्रुति की ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'द आई' ने 5वें वेंच फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग फीचर के रूप में भारत में अपना प्रीमियर किया। ग्रीस के लुभावने परिदृश्यों पर आधारित, 'द आई' में श्रुति ने डायना का रोल निभाया है। कहानी में डायना की भावनात्मक यात्रा दिखाई गई है जिसमें उनके पति का देहांत हो चुका है। फिल्म का निर्देशन डेफ्ने श्मोन ने किया है और इसका निर्माण फिंगरप्रिंट कंटेंट ने किया है। यह श्रुति हासन की बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शुरुआत है। सपना भवनानी द्वारा स्थापित, वेंच फिल्म फेस्टिवल भारत का अग्रणी मंच है जो हॉरर, साइंस-फिक्शन और फंतासी सिनेमा को समर्पित है। मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, द आई एक गहन सिनेमाई अनुभव प्रदान करती है, जो दर्शकों को रोमांचित करता है।

साभार एजेंसी

भारत के खिलाफ फाइनल से बाहर हो सकता है न्यूजीलैंड का यह तेज गेंदबाज

दुबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी कंधे की चोट के कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल से बाहर हो सकते हैं हालांकि कोच गैरी स्टीड को उम्मीद है कि वह रविवार को फाइनल तक ठीक हो जाएंगे। हेनरी ने अब तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक 10 विकेट लिए हैं जिसमें भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में पांच विकेट शामिल है। 33 वर्ष के हेनरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में बुधवार को सेमीफाइनल के दौरान घायल हो गए थे। स्टीड ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, 'मैट के कंधे में चोट लगी है और वह असहज महसूस कर रहा है। उसका स्कैन कराया गया है और उम्मीद है कि वह मैच तक फिट हो जाएगा।

टीमें- भारत:

रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा

न्यूजीलैंड:

विल यंग, रचिन रविंद्र, केन विलियमसन, डेरिल मिशेल, टॉम लाथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, विलियम ओरोर्के, जैकब डफी, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, नाथन स्मिथ

इंडिया-न्यूजीलैंड चैम्पियंस ट्रॉफी फाईनल

टीम इंडिया के वो 4 इंतकाम, बस 9 मार्च का इंतजार... कीवियों से हर दर्द का हिसाब लेगी रोहित ब्रिगेड

नई दिल्ली, एजेंसी। 9 मार्च 2025 की तारीख... भारतीय टीम न्यूजीलैंड (कीवी टीम) से चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल के दिन 3 इंतकाम लेगी... क्रिकेट के मैदान पर जो जख्म कीवी टीम ने साल 2000 में पहली बार दिया, 2019 में दूसरी बार, 2021 में तीसरी और हाल फिल्हाल में 2024 में चौथी बार... इन सभी का बदला लेने का समय गया है.

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टीम इंडिया चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को रौंदकर सारा पुराना हिसाब सूद समेत वसूलने के लिए उतरेगी. न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया का लास्ट मोमेंट पर कई बार खेल बिगाड़ा है.

कई बार भारतीय टीम को हार का जख्म दिया है. वो भी तब, जब भारतीय टीम बड़े खिताब की ओर अग्रसर थी. इन 4 पलों के दौरान भारतीय टीम के जीतने की सबसे ज्यादा दावेदारी जताई गई, लेकिन न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया के सारे समीकरण फेल कर दिए.

मौका 1:

आपको पहले करीब दो दशक पहले ले चलते हैं, साल 2000 था, तारीख 15 अक्टूबर थी, मैदान नैरौबी का था. मौका भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल का था. तब के भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 119 रनों की पारी खेली, सचि?न तेंदुलकर ने 69 रन बनाए और स्कोर बना 264/6. इसके बाद न्यूजीलैंड ने रनचेज शुरू किया, भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत में ही न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी. क्रेग स्पीयरमैन (3) कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग (5) दोनों को वेंकटेश प्रसाद ने चलता कर दिया. 132 के स्कोर तक आते-आते न्यूजीलैंड के पांच विकेट धड़ाम हो गए, यहां से लगा कि भारतीय टीम इस मुकाबले को आसानी से जीत लेगी.

लेकिन यहीं से क्रिस केयर्न्स और क्रिस हैरिस (46) ने ऐसा खूंटा गाड़ा कि अपनी टीम को

जीत दिलाकर ही दम ली. केयर्न्स तो 102 रनों पर नाबाद लौटे. इस तरह न्यूजीलैंड ने पहली बार कोई आईसीसी का टूर्नामेंट जीता. यह पहली बार था जब न्यूजीलैंड ने भारत का सपना किसी आईसीसी टूर्नामेंट में तोड़ा था.

मौका 2

आज से थोड़ा सा पीछे चलते हैं, वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के ओपनिंगसीजन का फाइनल जून 2021 में खेला गया था. भारत और न्यूजीलैंड की टीम इस फाइनल को खेल रही थीं. लेकिन इस मुकाबले में एक बार फिर से न्यूजीलैंड की टीम भारत पर भारी पड़ी. न्यूजीलैंड ने इस फाइनल को 8 विकेट से जीता. इस पूरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम कहीं से भी लय में नहीं दिखी. यह दूसरी बार था, जब 2000 की चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद न्यूजीलैंड ने किसी बड़े के टूर्नामेंट में भारत को रौंदा हो.

मौका 3:

अब बताते हैं वो तीसरा किस्सा, जहां न्यूजीलैंड ने भारत का सपना तोड़ा. 11 जून 2025 से डब्ल्यूटीसी का फाइनल अब साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है. लेकिन एक समय यह डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 खेलने की सबसे बड़ी दावेदार भारतीय टीम थी. भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैच खेलने थे. लेकिन न्यूजीलैंड ने भारत को टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराया, इसके साथ ही न्यूजीलैंड पहली ऐसी टीम बन गई, जिसने भारतीय टीम को उसकी धरती पर व्हाइटवॉश किया हो. इस हार से भारतीय टीम का संतुलन इस तरह बिगड़ा कि ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भी इसका असर दिखा, जहां भारत को 3-1 से सीरीज गंवानी पड़ी.

अब अंत में आपको बताते हैं भारत न्यूजीलैंड का वो मुकाबला, जहां भारतीय टीम खिताब जीतने के बेहद करीब थी, लेकिन फिर भारतीय टीम के हाथ से जीत रेत की तरह फिसल गई.

मौका 4:

मैनचेस्टर में खेले गए आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले को कोई भारतीय फैन कैसे भूल सकता है. जहां न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर तीसरी बार वनडे वर्ल्ड चैम्पियन बनने का सपना तोड़ दिया था. यह मुकाबला महेंद्र सिंह धोनी का भी आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला बन गया था. इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम 239/8 पर सिमट गई थी. भारत के पास जीत का मौका था, एक समय भारत के 24 पर 4 विकेट, फिर 71 पर 5 विकेट गिर गए थे. पर पंड्या (32), रवींद्र जडेजा (77) और अंत में एमएस धोनी (50) ने अपनी पारि?यों से मैच लड़ाया,लेकिन धोनी को जैसे ही मार्टिन गुप्टिल ने रन आउट किया, भारत की सारी उम्मीदें खत्म हो गई. न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया को उस मुकाबले में 18 रनों से हराया था. यानी यह साफ है कि न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को कई मौके पर इस तरह हराया, जहां टीम के हारने की उम्मीद नहीं थी. कुल मिलाकर 9 मार्च न्यूजीलैंड से बदला लेने का दिन होगा.

हर दिन होना चाहिए महिला दिवस : साक्षी मलिक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रसिद्ध महिला पहलवान साक्षी मलिक ने ब्बातचीत के दौरान महिला दिवस के मौके पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने न केवल अपने

व्यक्तिगत अनुभवों को उजागर किया, बल्कि समाज में बदलते परिवेश और महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक का मानना है कि महिलाओं के संघर्ष और योगदान को केवल एक दिन तक सीमित नहीं करना चाहिए। साक्षी मलिक का कहना है कि महिलाओं को किसी एक खास दिन, जैसे 8 मार्च को मनाया जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके अनुसार, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला अपने जीवन में कई तरह के संघर्षों का सामना करती है। साक्षी ने कहा, जब मैंने कुश्ती शुरू की थी, तब मुझे बेहद कम संसाधनों के साथ तैयारी करनी पड़ी थी। इन कठिनाइयों के बावजूद मैंने न केवल अपने करियर में सफलता हासिल की, बल्कि मां बनने के बाद भी अपने कार्यों को संतुलित किया। एक मां के पास कई जिम्मेदारियां होती हैं और वह इन सभी को एक साथ संभाल सकती है। इसलिए, महिलाओं के योगदान को हर दिन सम्मान मिलना चाहिए। साक्षी ने कहा कि पहले हरियाणा में लड़के और लड़कियों के बीच बहुत भेदभाव होता था। लेकिन अब इसमें काफी बदलाव आया है। उन्होंने अपने मेडल जीतने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उनकी सफलता ने समाज की सोच को बदलने में मदद की। महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर फिल्में बनीं, जिसके बाद लोग अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए। आज लड़कियां हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं, चाहे वह खेल हो या कोई अन्य क्षेत्र। साक्षी ने हाल के ओलंपिक का उदाहरण दिया, जहां हरियाणा की मनु भाकर ने इतिहास रचकर यह साबित कर दिया कि लड़कियां किसी से कम नहीं हैं। साक्षी का मानना है कि अगर कोई महिला अपने लक्ष्य को लेकर दृढ़ संकल्पित, केंद्रित और अनुशासित है, तो वह कुछ भी हासिल कर सकती है। उन्होंने महिला खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, महिला खिलाड़ी का खेल करियर बहुत छोटा होता है। हम इतना लंबा नहीं खींच पाते हैं क्योंकि बहुत सारी चीजें सोचनी पड़ती हैं। मेरा महिला खिलाड़ियों को यही संदेश है कि बिना डरे और घबराए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमने भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाया, उसके खिलाफ लड़ना सीखा और आंदोलन भी किया। मैं यही कहूंगी कि आप किसी भी क्षेत्र में हों, कार्य करते रहिए। देश के लिए अच्छा कार्य करते रहें।

विमेंस वनडे वर्ल्डकप से पहले ट्राई सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

श्रीलंका मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे वर्ल्ड कप से पहले भारतीय विमेंस टीम श्रीलंका में अप्रैल-मई में वनडे ट्राई सीरीज में खेलेगी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। श्रीलंका और टीम इंडिया के अलावा तीसरी टीम साउथ अफ्रीका होगी। वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर में भारत में होना है। तीनों टीमें दो- दो बार एक दूसरे से भिड़ेंगी हर एक टीम दो बार अन्य टीमों के साथ खेलेगी, यानी एक टीम चार मैच खेलेगी। पहले दो स्थान पर रहने वाली टीमें फाइनल खेलेंगे। सीरीज की शुरुआत मेजबान श्रीलंका और भारत के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। ये सभी मैच दिन में खेले जाएंगे, जो 27 अप्रैल से 11 मई तक कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे।

श्रेयस अय्यर को मिल सकता है बड़ा इनाम

बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद बनाया ऐसा करने का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। कुछ खिलाड़ी होते हैं जिनका नाम होता है. और, कुछ वो होते हैं, जिनका नाम तो नहीं होता पर काम बोलता रहता है. श्रेयस अय्यर इसी दूसरी कैटेगरी के खिलाड़ी है. विराट-रोहित जैसे बड़े नामों के बीच भले ही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनका नाम उतना नहीं गूंज रहा लेकिन उनके अपने बल्ले के जोर पर वो टूर्नामेंट के टॉप रनवीरों में शामिल हैं. अय्यर को उनके उसी प्रदर्शन का चैंपियंस ट्रॉफी के बाद इनाम मिल सकता है. खबर है कि बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के खत्म होने के बाद खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट को रिन्यू करेगी, जिसमें फिर से श्रेयस अय्यर की एंट्री हो सकती है.

अय्यर की होगी नए कॉन्ट्रेक्ट में वापसी: तो क्या अभी तक श्रेयस अय्यर बीसीसीआई की सालाना कॉन्ट्रेक्ट प्लेयर लिस्ट से बाहर थे? जी हां, वो बाहर थे क्योंकि पिछले साल बीसीसीआई ने उन्हें अनुशासनहीनता का दोषी पाते हुए एक्शन लिया था. उन्होंने घरेलू क्रिकेट ना खेलकर बीसीसीआई का नियम तोड़ा था. लेकिन, अब कहानी बदल चुकी है. श्रेयस अय्यर ने ना सिर्फ उस घटना से सबक लिया है बल्कि खुद

में पहले से कहीं ज्यादा मैच्योरिटी भी लेकर आए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद खिलाड़ियों के सालाना करार को रिन्यू करने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि वो इसआईसीसी टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन की समीक्षा करना चाहती थी. नए कॉन्ट्रेक्ट में खिलाड़ियों के ग्रेड को लेकर फैसला उनके तीनों फॉर्मेट में प्रदर्शन के आधार पर होगा. रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि बीसीसीआई ग्रेड ए प्लस की भी समीक्षा करेगी , जिसमें अभी रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा हैं.

रोहित-विराट होंगे टॉप ग्रेड से बाहर?

रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में रोहित-विराट और जडेजा की जगह खतरे में है. इन तीनों को टॉप ग्रेड यानी ग्रेड ए प्लस से बाहर किया जा सकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि बीसीसीआई वहां सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों को तरजीह देने की सोच रही है, जो तीनों फॉर्मेट खेल रहे हैं.

सुनील छेत्री फिर करेंगे वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल के लिए यह एक बहुत बड़ी खबर है। 40 वर्षीय स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री ने तत्काल प्रभाव से संन्यास से वापसी करने का फैसला किया है। सुनील छेत्री ने मार्च 2025 से शुरू होने वाले आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो में भारतीय टीम की मदद करने के लिए यह फैसला लिया है। वह 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ एएफसी एशियन कप 2027 के क्वालिफायर के तीसरे दौर में खेलेंगे। शिलांग का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम भारतीय सीनियर पुरुष टीम के दो मैचों की मेजबानी करेग.

इस संबंध में इंडियन फुटबॉल टीम की ओर से 6 मार्च 2025 को ङ्क पर एक पोस्ट शेयर की गई। पोस्ट में सुनील छेत्री की तस्वीर के साथ जो कैप्शन दिया गया, उसमें लिखा था, 'कप्तान, लीडर, दिग्गज खिलाड़ी मार्च में फीफा इंटरनेशनल विंडो के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे।' सुनील छेत्री ने यह कदम अपने शानदार करियर के बाद संन्यास की घोषणा के एक साल से भी कम समय बाद उठाया है। उनके संन्यास के बाद भारतीय फुटबॉल में एक बड़ा खालीपन पैदा हो गया है जिसे भरना अभी बाकी है। भारत के सर्वकालिक अग्रणी गोल-स्कोरर सुनील छेत्री ने

पिछले साल जून में कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने भारतीय टीम को आंसुओं के साथ अलविदा कहा था। तब भारत ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला था।

सुनील छेत्री पुरुष फुटबॉल में सर्वकालिक अग्रणी गोल करने वालों की सूची में केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई से पीछे हैं। उन्होंने अपने करियर के दौरान 151 मैच में 94 गोल किए हैं। संन्यास से लौटने के बाद सुनील छेत्री को 100 या उससे अधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

सुनील छेत्री ने 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ मैच से डेब्यू किया था। सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग में बेंगलुरु एफसी के लिए अपना खेल जारी रखा।

केकेआर में गंभीर की वापसी पर शाहरुख बोले-मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह हमें छोड़कर चले गए

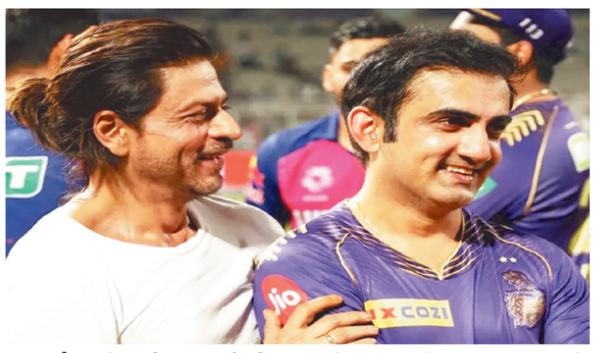

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने खुलासा किया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आखिरी संस्करण से पहले मेंटर के तौर पर फ्रैंचाइजी में लौटने से पहले उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि गौतम गंभीर उन्हें छोड़कर चले गए हैं। गंभीर की वापसी ने फ्रेंचाइजी के लिए कमाल कर दिया क्योंकि उन्होंने 10 साल के अंतराल के बाद अपना तीसरा खिताब जीता। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर चैंपियन बनी। शाहरुख ने जियो हॉटस्टार के पावर प्ले पर कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि गौतम गंभीर हमें छोड़कर चले गए हैं। गौतम के साथ वर्षों से हमेशा एक प्यारा रिश्ता रहा है। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिनके साथ दोस्ती मजबूत बनी हुई है और गौतम गंभीर उनमें से एक हैं। उनके लिए यह एक बड़ी घर वापसी थी। हालांकि, गंभीर का केकेआर में रहना केवल 2024 सीजन तक ही सीमित था, क्योंकि पिछले साल जुलाई में राहुल द्रविड़ के जाने के बाद उन्हें भारत का मुख्य कोच बनाया गया था। केकेआर के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि 2017 में गंभीर के फ्रेंचाइज से जाने से एक खालीपन पैदा हो गया, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर भी पड़ा। ÷जब गौतम केकेआर के साथ नहीं थे, तो ऐसा लगा- अब चीजें कहां से ठीक होंगी?

उनके जाने के बाद से, दिशा का थोड़ा नुकसान हुआ। मुझे लगता है, एक समय पर घबराहट होने लगी थी। बाहर से, आप महसूस कर सकते थे कि चीजें उतनी सहज नहीं थीं, जितनी लग रही थीं। आप हमेशा केकेआर से उच्च स्तर पर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं, और जब प्रदर्शन टीम के आभा से मेल नहीं खाता, तो यह स्पष्ट हो गया कि कुछ बदलना होगा। उथप्पा ने कहा, जैसे ही मैंने सुना कि गौतम गंभीर वापस आ रहे हैं, मुझे याद है कि मैंने ट्वीट किया था कि सबसे अच्छी बात यह है कि गौतम गंभीर के जाने के बाद से केकेआर , क्या गौतम गंभीर की वापसी कर रहा है!

फीफा ने पाकिस्तान-रूस समेत इन देशों को फुटबॉल वर्ल्ड कप से किया बैन, बड़ी वजह आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है. वहीं, भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान दौरे से इनकार कर दिया. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मैच दुबई में खेल रही है. वहीं, अब क्रिकेट के बाद पाकिस्तान को फुटबॉल में झटका लगा है. दरअसल, फीफा ने पाकिस्तान के अलावा रूस और कॉन्गो को वर्ल्ड कप 2026 से बैन कर दिया है. चैंपियंस ट्रॉफी में किरकिरी के बाद फीफा वर्ल्ड कप से बैन होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको करेगा. इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार 48 टीमें भाग लेंगी. लिहाजा, यह टूर्नामेंट काफी बड़ा होने वाला है. लेकिन इस बीच फीफा ने पाकिस्तान के अलावा रूस और कांगो को बैन कर दिया है.

इंग्लैंड सीरीज के लिए भूख और बढ़ गई है, दोनों हाथों से मौका लपकने को तैयार हूं, टीम इंडिया में वापसी पर बोले चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में से एक चेतेश्वर पुजारा फिलहाल टीम से बाहर चल रहे हैं। हालांकि, वह भारतीय टीम में वापसी का मौका हासिल करने और जोरदार कमबैक करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चेतेश्वर पुजारा भारतीय टेस्ट टीम के नंबर 3 स्थान के मजबूत स्तंभ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में उनकी शानदार पारियों और दृढ़ संकल्प को कौन

भूल सकता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से उनकी फॉर्म में गिरावट देखी गई। इसके चलते डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाकामी के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा, खासकर अंतिम 4 टेस्ट में नंबर 3 की स्थिति टीम के लिए एक बड़ी समस्या बनी रही। ऐसे में, चेतेश्वर पुजारा की गैरमौजूदगी को काफी महसूस किया गया। अब सवाल यह उठता है कि क्या पुजारा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर वापसी कर सकते हैं? क्या चयनकर्ता उन्हें एक और मौका देंगे?

बेन स्टोक्स को मिल सकती है इंग्लैंड टीम की कप्तानी

लंदन, एजेंसी। जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के प्रारूप में अगले कप्तान हो सकते हैं और ईसीबी के निदेशक रॉब की ने कहा कि खुद को 'अविश्वसनीय रणनीतिकार साबित कर चुके इस करिश्माई हरफनमौला के नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख ही होगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाने के बाद बटलर ने

टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले भारत में श्रृंखला में भी उसे पराजय मिली। 33 बरस के स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर थे। उन्होंने 2023 विश्व कप के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेली है जब उन्होंने इस प्रारूप से विदा लेने का अपना फैसला वापस ले लिया था।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड में पुरूष क्रिकेट निदेशक की ने कहा, 'बेन स्टोक्स सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से है। उसके नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख होगा। उन्होंने कहा, 'वह अविश्वसनीय रूप से अच्छा रणनीतिकार है जो हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा। वह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा पाता है। वह ऐसा इंसान है जो दबाव के हालात में खिलाड़ियों की ढाल बनकर उन्हें खुद पर भरोसा रखने में मदद करता है। स्टोक्स इस समय अबुधाबी में इंग्लैंड लायंस अभ्यास समूह के साथ हैं और भारत के खिलाफ जून से अगस्त तक होने वाली पांच टेस्ट की श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे।

मोदी और चिनफिंग की बैठक के बाद भारत, चीन को सभी स्तरों पर सकारात्मक नतीजे मिले : वांग ई

» बीजिंग, भाषा।

चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने शुक्रवार को कहा कि भारत और चीन के संबंधों में सकारात्मक प्रगति हुई है और पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय तक चले सैन्य गतिरोध के पिछले वर्ष समाप्त होने के बाद सभी स्तरों पर उत्साहजनक नतीजे प्राप्त हुए हैं। वांग ने यह टिप्पणी यहां अपने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान की। उनसे पूछा गया था कि दोनों देशों के बीच संबंधों में लंबे समय तक चले गतिरोध को समाप्त करने के बाद चीन द्विपक्षीय संबंधों को किस तरह देखता है। वांग ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच रूस के कजान शहर में सफल बैठक के बाद पिछले वर्ष चीन-भारत संबंधों में सकारात्मक प्रगति हुई है। वांग ने यहां आयोजित चीन की संसद के वार्षिक सत्र से इतर कहा कि शी और मोदी दोनों ने कजान में हुई बैठक में संबंधों में सुधार के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया था।

उन्होंने कहा कि इसके बाद, दोनों पक्षों ने नेताओं के बीच बनी आम समझ का ईमानदारी से पालन किया, सभी स्तरों पर आदान-प्रदान और व्यावहारिक सहयोग को मजबूत किया तथा कई सकारात्मक परिणाम हासिल किए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद, दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति चिनफिंग ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त और सैनिकों को पीछे हटाने पर भारत-चीन समझौते का पिछले साल 23 अक्टूबर को समर्थन किया था तथा विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्र को बहाल करने के निर्देश जारी किए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वांग ई ने गत 18 दिसंबर को विशेष प्रतिनिधि वार्ता के दौरान सार्थक चर्चा की थी। संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सीमा पर शांति बनाए रखने के महत्व पर भारत द्वारा जोर दिए जाने का स्पष्ट संदर्भ देते हुए वांग ने चीन के इस रुख को दोहराया कि सीमा या अन्य मुद्दों पर मतभेदों से समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। वांग ने कहा कि चीन का मानना है कि दोनों देशों को एक-दूसरे की सफलता में साझेदार बनना चाहिए। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच सहयोगात्मक साझेदारी ही दोनों पक्षों के लिए एकमात्र सही विकल्प है। वांग ने कहा कि दोनों देशों को एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने अमेरिका के स्पष्ट संदर्भ में कहा, ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्यों के रूप में, हमारे पास आधिपत्यवाद का विरोध करने में अग्रणी भूमिका निभाने की जिम्मेदारी है। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित या अविकसित कहा जाता है और जो मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं। वांग ने कहा, हमें न केवल अपने देशों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा करनी चाहिए, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नियंत्रित करने वाले बुनियादी मानदंडों को भी बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि चीन और भारत हाथ मिलाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मामलों में अधिक लोकतांत्रिक व्यवस्था और मजबूत ग्लोबल साउथ की संभावना में काफी सुधार होगा। वांग ने कहा कि 2025 में चीन-भारत राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ होगी। उन्होंने कहा, चीन भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है ताकि चीन-भारत संबंधों को मजबूत और स्थिर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

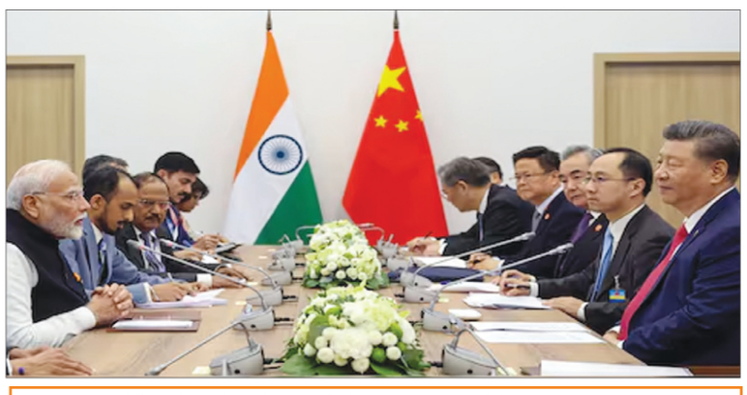

चीन के विदेश मंत्री ने अच्छाई का बदला बुराई से लेने का लगाया आरोप

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्री वांग ई ने शुक्रवार को अमेरिका पर अच्छाई का जवाब बुराई से देने का आरोप लगाया। उन्होंने देश के वार्षिक संसदीय सत्र के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि चीन अमेरिका के मनमाने शुल्क का जवाब देगा। वांग ने कहा कि अमेरिका को फेंटानिल संकट से निपटने में मदद करने के चीन के प्रयासों का जवाब दंडात्मक शुल्कों के रूप में दिया गया है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो रहा है। वांग ने कहा, किसी भी देश को यह कल्पना नहीं करनी चाहिए कि वह चीन को दबा सकता है और साथ ही साथ चीन के साथ अच्छे संबंध भी बनाए रख सकता है। उन्होंने कहा, इस तरह के दोहरे कृत्य द्विपक्षीय संबंधों की स्थिरता या आपसी विश्वास के निर्माण के लिए अच्छे नहीं हैं।

चीन के विदेश मंत्री ने टैरिफ को लेकर अमेरिका की आलोचना की

ताइपे। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने पत्रकारों के साथ वार्षिक बैठक में टैरिफ को लेकर अमेरिका की आलोचना की और दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावों को दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने अतीत में जापान की आक्रामकता और अन्य मुद्दों पर बात की। वांग ने कहा कि दक्षिण चीन सागर में तनाव की कहानी अमेरिका द्वारा उत्पन्न किया गया फर्जी तमाशा है। उन्होंने कहा, चीन कानून के अनुसार अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता और समुद्री अधिकारों तथा हितों की रक्षा करना जारी रखेगा। मैं यहां यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उल्लंघन और उकसावे का निश्चित रूप से अपना परिणाम होगा, और जो लोग शतरंज के मोहरे बनने को तैयार हैं, उन्हें अंततः त्याग दिया जाएगा। चीनी विदेश मंत्री ने द्वितीय विश्वयुद्ध का उल्लेख करते हुए अतीत में जापान की आक्रामकता की निंदा की और कहा कि उसे ताइवान को समर्थन देना बंद करना चाहिए। उन्होंने टैरिफ के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन के रुख को लेकर अमेरिका की आलोचना की।

आतंकवाद सतत चुनौती है, इससे प्रतिबद्धता के साथ निपटा जाएगा: जयशंकर

लंदन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आयरलैंड में यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन में अपने संबोधन में कहा कि संघर्ष आज एक प्रमुख मुद्दा है और भारत का मानना है कि मतभेदों को बातचीत एवं कूटनीति के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। जयशंकर ने विदेश नीति के विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे और आतंकवाद के खिलाफ भारत-आयरलैंड के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित करने के लिए जून 1985 में एयर इंडिया विमान पर हुए आतंकवादी हमले का संदर्भ दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिमी कॉर्क में आयरिश गांव अहाकिस्ता, कनिष्क बम विस्फोट आपदा का गवाह है, जिसमें 329 लोगों की मौत हो गई थी। ए घटना आयरलैंड के तट पर हुई थी। जयशंकर ने कहा, संघर्षों के बारे में एक विशेष बात, क्योंकि यह आज भारत के लिए एक बहुत ही प्रमुख मुद्दा है हमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि इस युग में मतभेदों को युद्ध के मैदान में नहीं सुलझाया जा सकता और न ही सुलझाया जाना चाहिए। वह बृहस्पतिवार को भारत का विश्व के प्रति दृष्टिकोण विषय पर अग्रणी आयरिश शोध संस्थान में छात्रों, शिक्षाविदों और प्रवासी समुदाय के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। जयशंकर ने कहा, संघर्ष के बारे में बात करते हुए, आतंकवाद का मुकाबला करने पर भी कुछ कहना उचित होगा, खासकर ऐसे देश के विदेश मंत्री के रूप में जो लंबे समय से आतंकवादी प्रयासों का शिकार रहा है। उन्होंने कहा, आयरलैंड के अहाकिस्ता गांव में एक स्मारक पट्टिका है जो आयरलैंड के तट पर हुए एयर इंडिया के कनिष्क विमान बम विस्फोट के 329 पीड़ितों की याद में स्थापित की गई है। यह हमेशा याद दिलाता है कि यह एक सतत चुनौती है जिससे समग्र रूप से बहुत अधिक संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ निपटने की आवश्यकता है। भारत-यूरोपीय संघ के बीच जारी व्यापार वार्ता के संदर्भ में जयशंकर ने कहा, हम बातचीत कर रहे हैं, और हम मुक्त व्यापार समझौते के लिए काफी लंबे समय से, लगभग 23 वर्षों से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल में यूरोपीय संघ के अध्यक्ष ने 21 आयुक्तों के साथ भारत का दौरा किया था, और अब हम शायद थोड़ा और आशान्वित हैं कि यह अभ्यास समाप्त हो जाएगा, आदर्श रूप से इस वर्ष के अंत तक।

मुंबई हमलों में आरोपी पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण पर रोक के लिए नई अर्जी दी

» न्यूयॉर्क, भाषा।

मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने के अनुरोध वाली याचिका शीर्ष अदालत द्वारा खारिज किए जाने के बाद मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के समक्ष एक नई अर्जी दाखिल की है। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक (64) राणा वर्तमान में लॉस एंजिल्स के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। राणा ने 27 फरवरी को अमेरिका की शीर्ष अदालत के एसोसिएट जस्टिस और नौवें सर्किट की सर्किट जस्टिस एलेना कागन के समक्ष बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के लंबित मुकदमे पर रोक लगाने के लिए आपात आवेदन प्रस्तुत किया था। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर छह मार्च को प्रकाशित एक नोट में कहा गया अर्जी... न्यायमूर्ति कागन ने अस्वीकार की। राणा के वकीलों की ओर से बृहस्पतिवार को दायर की गई अर्जी के अनुसार राणा ने पहले न्यायमूर्ति कागन के समक्ष पेश बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के लंबित मुकदमे पर रोक लगाने संबंधी अपनी आपात अर्जी अब नवीनीकृत की है और अनुरोध करते हैं कि नवीनीकृत अर्जी मुख्य न्यायाधीश रॉबर्ट्स के समक्ष पेश की जाए।

अपनी आपात अर्जी में राणा ने 13 फरवरी की याचिका के गुण-दोष के आधार पर अपने प्रत्यर्पण और मुकदमा लंबित रहने तक भारत के समक्ष आत्मसमर्पण करने पर रोक लगाने की मांग की थी। उस याचिका में राणा ने तर्क दिया था कि भारत को उसका प्रत्यर्पण अमेरिकी कानून और यातना के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का उल्लंघन है, क्योंकि यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि यदि उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया तो याचिकाकर्ता को यातना दिए जाने का खतरा होगा। याचिका में कहा गया, इस मामले में प्रताड़ित किए जाने की संभावना और भी अधिक है, क्योंकि याचिकाकर्ता मुंबई हमलों में आरोपी पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है। याचिका में यह भी कहा गया है कि उसकी गंभीर चिकित्सा स्थिति के कारण उसे भारतीय हिरासत केंद्रों में प्रत्यर्पित करना इस मामले में वास्तव में मौत की सजा है। जनवरी में अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने राणा की याचिका खारिज कर दी थी और उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की भारत प्रत्यर्पण पर रोक संबंधी याचिका अमेरिकी अदालत में खारिज

न्यूयॉर्क। अमेरिका की शीर्ष अदालत ने मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। राणा (64) वर्तमान में लॉस एंजिलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। उसने अमेरिका के शीर्ष अदालत के एसोसिएट जस्टिस और नौवें सर्किट के सर्किट जस्टिस के समक्ष रोक लगाने की आपात अर्जी दायर की थी। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर छह मार्च 2025 को जारी एक नोट में कहा गया है, अर्जी... न्यायाधीश (एलेना) कगन द्वारा अस्वीकार की गई। यह अर्जी अमेरिका की शीर्ष अदालत की एसोसिएट जस्टिस एलेना कगन के समक्ष पेश की गई थी।

सीरियाई सेना पर असद समर्थकों ने घात लगाकर हमला किया, 13 पुलिस अधिकारियों की मौत

» दमिश्क (सीरिया), भाषा।

सीरिया के जबलेह शहर में बंदूकधारियों ने बृहस्पतिवार को सीरियाई पुलिस गश्त दल पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। हमला ऐसे समय में हुआ है जब सीरिया के जबलेह क्षेत्र में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद के अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के लोगों और इस्लामी संगठनों के बीच तनाव तेज है। दिसंबर की शुरुआत में इस्लामवादी हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में विद्रोही समूहों ने असद शासन का तख्तापलट कर दिया था। ब्रिटेन के मानवाधिकार संगठन सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि लताकिया शहर के पास जबलेह शहर में घात लगाकर किए गए हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए।

निगरानी समूह के प्रमुख रामी अब्दुर्हमान ने कहा कि पुलिस बल पर अलावी समुदाय के लोगों ने घात लगा कर हमला किया। अब्दुर्हमान ने कहा, शासन के पतन के बाद से ये सबसे अधिक हिंसक झड़प हैं। दमिश्क में एक स्थानीय अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि घात लगाकर किए गए हमले में जनरल सिक्योरिटी डायरेक्टरेट के 13 सदस्य मारे गए। अरब में प्रसारित होने वाले टेलीविजन चैनल अल-जजीरा ने कहा कि उसके कैमरामैन रियाद अल-हुसैन संघर्ष को कवर करते समय घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने बताया कि अधिकारियों ने पास के शहर टार्टस में 12 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया है। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए क्षेत्र में बड़ी संख्या में अतिरिक्त बल भेजा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया में भरी हुई बंदूक के साथ विमान में चढ़ा किशोर, पूर्व बॉक्सर ने पकड़ा

» मेलबर्न, भाषा।

ऑस्ट्रेलिया में एक 17 वर्षीय किशोर भरी हुई बंदूक के साथ विमान में चढ़ गया लेकिन पायलट और दो यात्रियों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना विक्टोरिया राज्य के एवलॉन हवाई अड्डे पर हुई जहां लड़के को निहत्था कर हिरासत में ले लिया गया। संदिग्ध को पकड़ने वाले यात्री बैरी क्लार्क ने बताया कि लड़के ने खुद को रखरखाव कर्मचारी बताया था और विमान के प्रवेश द्वार पर जब फ्लाइट अटेंडेंट ने उससे पूछताछ की तो वह भड़क गया। मैंने उस ओर देखा और एक सेकेंड के भीतर मुझे बंदूक का बैरल नजर आ गया। पूर्व पेशेवर बॉक्सर क्लार्क ने बताया कि उन्होंने लड़के को पीछे से दबोचा और उसकी बंदूक तथा फ्लाइट अटेंडेंट को अलग-अलग दिशा में फेंक दिया ताकि गोली चलने पर कोई हताहत न हो।

विक्टोरिया पुलिस अधीक्षक माइकल रीड ने संवाददाताओं को बताया कि विक्टोरिया के बैलाराट का रहने वाला यह लड़का हवाई अड्डे की सुरक्षा बाड़ में एक छेद करके विमान की सीढ़ियों तक पहुंच गया था। रीड ने लड़के को पकड़ने का श्रेय क्लार्क, विमान के पायलट और एक अन्य यात्री को दिया। रीड ने कहा, यह उस विमान के यात्रियों के लिए बहुत भयावह घटना रही होगी और विक्टोरिया पुलिस उन यात्रियों की बहादुरी की सराहना करती है जो उस किशोर को काबू करने में सफल रहे।सिडनी जाने वाली जेटस्टार एयरवेज फ्लाइट 610 में करीब 150 यात्री थे। घटना के बाद उड़ान रद्द कर दी गई। जांच अपराध दस्ते द्वारा की जा रही है। पुलिस के बयान में कहा गया है कि लड़के पर कई आरोप लगाए गए हैं जिसमें विमान पर अवैध रूप से नियंत्रण करना, बम विस्फोट की अफवाह फैलाना और बंदूक रखना शामिल है। किशोर को अदालत में पेश करने के लिए हिरासत में भेज दिया गया है।

ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में फंसी सुनीता विलियम्स के घने बालों की प्रशंसा की

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के घने बालों की सराहना की और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों को संदेश दिया कि उन्हें जल्द धरती पर वापस लाया जाएगा।ट्रंप (78) ने अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे बुच विल्मोर और विलियम्स को पृथ्वी पर वापस लाने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत रूप से एक बचाव दल को कक्षा में भेजने की संभावना का जिक्र किया और आठ दिन के मिशन के नौ महीने तक जारी रहने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा, बाइडन ने उन्हें वहीं फंसा छोड़ दिया। उन्होंने कहा, हमारे दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। मैंने एलन (मस्क) से कहा, मेरा एक काम करो। क्या तुम उन्हें बाहर निकाल कर ला सकते हो? उन्होंने कहा हां। वह वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि दो सप्ताह में। ट्रंप ने कहा कि मस्क अभी एक यान तैयार कर रहे हैं जो ऊपर जाएगा और उन्हें वहां से ले जाएगा।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस में विलियम्स पर कहा, उस महिला के बाल बेहद घने है,अच्छे हैं और मजबूत हैं। ये मजाक नहीं है। उन्होंने ये बात नौ महीनों से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे विलियम्स और विल्मोर के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कही। ट्रंप ने बाइडन को देश के इतिहास का सबसे अक्षम राष्ट्रपति करार देते हुए कहा उन्होंने आपके साथ ऐसा होने दिया, लेकिन यह राष्ट्रपति ऐसा नहीं होने देगा। ट्रंप ने कहा, उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि वे एक-दूसरे को पसंद करते होंगे या शायद वे एक-दूसरे से प्यार करते होंगे, मुझे नहीं पता, लेकिन उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। इस बारे में सोचें। वहां भी खतरा है। वहां कुछ विफलताएं हो सकती हैं। यह बहुत बुरा होगा। उन्हें बाहर निकालना ही होगा। वहीं मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अंतरिक्ष यात्री वहां केवल आठ दिन के लिए गए थे लेकिन वे वहां आठ महीने से हैं। उन्होंने कहा, स्पेसएक्स छह महीने पहले एक और यान भेजकर उन्हें वापस ला सकता था, लेकिन बाइडन व्हाइट हाउस ने इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया(नासा ने नहीं)। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें जल्द से जल्द वापस लाने के लिए कहा और हम ऐसा कर रहे हैं।

स्पेसएक्स के स्टारशिप की एक और परीक्षण उड़ान नाकाम

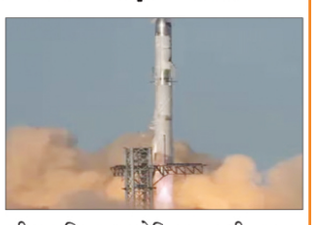

ब्राउंसविले (अमेरिका)। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कारपोरेशन (स्पेसएक्स) ने बृहस्पतिवार को स्टारशिप रॉकेट की उड़ान का परीक्षण किया, लेकिन यह एक बार फिर नाकाम हो गई और रॉकेट का जलता हुए मलबा फ्लोरिडा में आसमान से नीचे गिरता दिखाई दिया। निजी अमेरिकी वांतरिक्ष और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी ने करीब दो महीने पहले भी स्टारशिप का परीक्षण किया था लेकिन वह भी नाकाम रहा था और उसका जलता मलबा तुर्क और कैकोस पर गिरा था। स्पेसएक्स ने बृहस्पतिवार को एक और विशालकाय स्टारशिप रॉकेट की उड़ान का परीक्षण किया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद रॉकेट का संपर्क टूट गया और यान नीचे गिरकर टूट गया। इस बार, रॉकेट के जलते हुए मलबे को फ्लोरिडा में आसमान से गिरते देखा गया। हालांकि, यह तुरंत पता नहीं चला कि अंतरिक्ष यान की स्व-विनाश प्रणाली के कारण रॉकेट फटा या इसका कोई और कारण था। स्टारशिप लगभग 150 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंच गया था। 403 फुट का रॉकेट टेक्सास से प्रक्षेपित हुआ था। स्टारशिप के जरिए चार छद्म उपग्रहों को तैनात किया जाना था। स्पेसएक्स के फ्लाइट कमेंटेटर डैन ह्यूट ने प्रक्षेपण स्थल से कहा, दुर्भाग्य से ऐसा पिछली बार भी हुआ था, हमें एक बार फिर इसी अनुभव से गुजरना पड़ रहा है। स्पेसएक्स ने बाद में इसकी पुष्टि की। कंपनी ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, हमारी टीम ने तुरंत सुरक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय शुरू कर दिया ताकि पूर्व नियोजित आकस्मिक सुरक्षा उपायों को लागू किया जा सके। स्टारशिप पिछली बार की तरह उतनी ऊंचाई या दूरी तक नहीं पहुंच पाया।

पोप फ्रांसिस ने प्रार्थनाओं के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया

» रोम, भाषा।

डबल निमोनिया (गंभीर श्वसन संक्रमण) से जूझ रहे पोप फ्रांसिस ने एक ऑडियो संदेश जारी करके लोगों का उनकी प्रार्थनाओं के लिए दिल से आभार व्यक्त किया। पिछले तीन सप्ताह से अस्पताल में भर्ती पोप फ्रांसिस (88) बीमारी की वजह से काफी कमजोर हो गए हैं। बृहस्पतिवार को प्रसारित उनका यह ऑडियो संदेश अस्पताल में भर्ती होने के बाद से पहला सार्वजनिक संबोधन है।ऑडियो बृहस्पतिवार को अस्पताल में रिकॉर्ड किया गया जिसमें फ्रांसिस ने कमजोर आवाज में स्पेनिश भाषा में लोगों को संबोधित किया।

यह ऑडियो संदेश सेंट पीटर्स स्क्वायर में मौजूद श्रद्धालुओं और अनुयायियों को प्रसारित किया गया, जो रात में प्रार्थना के लिए एकत्र हुए थे।उन्होंने कमजोर आवाज में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, मेरे अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपकी प्रार्थनाओं का दिल से आभार व्यक्त करता हूं। मैं यहां से आपके साथ हूं। ईश्वर आपको आशीर्वाद दें और वर्जिन (मदर मैरी) आपकी रक्षा करें। इससे पहले प्रार्थनासभा की अगुवाई कर रहे कार्डिनल एंजेल फर्नांडीज आर्टाइम ने लोगों से कहा कि उनके पास साझा करने के लिए खुशखबरी, एक सुंदर उपहार है।

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक आतंकवाद में बढ़ोतरी और काबुल में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बीच महत्वपूर्ण संबंध

वर्ष 2024 में पाकिस्तान बना दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश : रिपोर्ट

» इस्लामाबाद, भाषा।

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जीटीआई) 2025 की रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान में आतंकवाद बढ़ता जा रहा है जिससे यह वर्ष 2024 में दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में आतंकवाद से होने वाली मौतों में 45 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में 748 मौतों की तुलना में 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 1,081 हो गया। यह आकड़े वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से मौत में सबसे तेज वृद्धि में से एक हैं। पूर्व में इस सूचकांक में पाकिस्तान चौथे स्थान पर था। पाकिस्तान में आतंकी हमलों की संख्या भी वर्ष 2023 में 517 से बढ़कर 2024 में 1,099 हो गई। यह संख्या पहली बार 1,000 का आंकड़ा पार कर गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान में हमले करने के लिए कर रहे हैं। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि पाकिस्तान में आतंकवाद में बढ़ोतरी और काबुल में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बीच महत्वपूर्ण संबंध है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकवादी गुटों ने विशेष रूप से पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर अपने हमले तेज किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीटीपी देश में सबसे घातक आतंकवादी समूह बना हुआ है जो आतंकवाद से संबंधित सभी मौतों में से 52 फीसदी के लिए जिम्मेदार है। प्रतिबंधित संगठन टीटीपी ने वर्ष 2024 में कुल 482 हमले किए जिनमें 558 लोग मारे गए। बीते वर्ष के मुकाबले टीटीपी के हमलों की संख्या दोगुनी हो गई, वहीं मौतों में 90 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार,अफगान तालिबान के वर्ष 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से टीटीपी को अधिक स्वतंत्रता और सीमा पार सुरक्षित ठिकाने मिले हैं जिससे इसे हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की खुली छूट मिल गई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पाकिस्तान में आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा रहे। यह दोनों क्षेत्र अफगानिस्तान की सीमा से लगे हैं। वर्ष 2024 में पाकिस्तान में 96 फीसदी से अधिक आतंकी हमले और मौतें इन्हीं प्रांतों में दर्ज किए गए। रिपोर्ट में प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा वर्ष 2024 में किए गए सबसे घातक आतंकी हमले का जिक्र किया गया है। इस हमले में क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती हमलावर ने कम से कम 25 नागरिकों और सैनिकों की जान ले ली थी। जियो न्यूज के मुताबिक, बीएलए और अन्य संगठनों द्वारा किए गए हमलों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन संगठनों के हमले वर्ष 2023 में 116 से बढ़कर वर्ष 2024 में 504 हो गए। इन हमलों में होने वाली मौतों की संख्या चार गुना बढ़कर 388 हो गई जो 2023 में 88 थीं।

भारत बहुत अधिक शुल्क लगाने वाला देश है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत बहुत अधिक शुल्क वसूलने वाला देश है। ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने वाले देशों पर जवाबी शुल्क दो अप्रैल से लागू होंगे। उन्होंने कहा, सबसे बड़ी बात दो अप्रैल को होगी जब जवाबी शुल्क लागू होंगे, फिर चाहे वह भारत हो या चीन या कोई भी देश... भारत बहुत अधिक शुल्क लगाने वाला देश है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय) में कुछ शासकीय आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए कहा, मैं आपको बताता हूं कि उच्च शुल्क वाला देश कौन है। वह कनाडा है। कनाडा हमसे हमारे दूध उत्पाद और अन्य उत्पादों पर 250 प्रतिशत शुल्क लेता है और लकड़ी एवं ऐसी ही चीजों पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है। हमें उनकी लकड़ी की जरूरत नहीं है। हमारे पास उनकी तुलना में ज्यादा लकड़ी है।

हमें कनाडा की लकड़ी की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अभी शुल्क अस्थाई और कम हैं लेकिन जवाबी शुल्क दो अप्रैल से शुरू होंगे और वे हमारे देश के लिए बड़े परिवर्तन लाने वाले होंगे। उन्होंने कहा, दुनिया के हर देश ने हमें लूटा है। वे हमसे 150-200 प्रतिशत शुल्क वसूलते हैं (और) हम उनसे कुछ भी नहीं लेते हैं। इसलिए वे हमसे जो भी शुल्क वसूलेंगे, हम उनसे उतना ही शुल्क लेंगे और इससे कोई बच नहीं पाएगा। इसलिए हम दो अप्रैल का इंतजार कर रहे हैं। मैं लंबे समय से उस तारीख का इंतजार कर रहा हूं और यह बहुत बड़ी बात होगी। यह दूसरी बार है जब ट्रंप ने भारत के शुल्क के बारे में टिप्पणी की है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के पहले संयुक्त सत्र को मंगलवार को संबोधित करते हुए ट्रंप ने भारत और अन्य देशों द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क की आलोचना की और उन्हें बेहद अनुचित करार दिया था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,